दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 142
मुरादाबाद
(Saturday)
12 September 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

ब्रिक्स बिजनेस फोरम में पीएम मोदी बोले-

भारत बन रहा है अवसरों का नया केंद्र

राजधानी नई दिल्ली के भारत मंडपम% में 12 और 13 सितंबर को आयोजित हो रहे 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए वैश्विक नेताओं का आगमन जारी है। सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा, ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो विएरा और युगांडा की उपराष्ट्रपति जेसिका अलुपो समेत 21 देशों के प्रतिनिधि और शीर्ष नेता नई दिल्ली पहुंच चुके हैं। इस महासम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूसी राष्ट्रपति पुतिन, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ईरानी राष्ट्रपति पेजेशकियन सहित कई शीर्ष नेताओं के साथ महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के बीच नई दिल्ली इस ऐतिहासिक वैश्विक महाकुंभ की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। पीएम मोदी बोले- हर साल करें ब्रिक्स की प्रगति की समीक्षा- दिल्ली में ब्रिक्स बिजनेस फोरम के नेताओं के सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता की थीम %लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण% है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने इस मंत्र को अपनी आर्थिक और व्यापार नीतियों की नींव बनाया है। लचीलेपन का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने ऊर्जा से लेकर तकनीक तक विभिन्न क्षेत्रों में फैली आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक विविध और भरोसेमंद बनाया है। उन्होंने कहा कि इसी लचीलेपन के कारण वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी भारत आज विकास और स्थिरता का भरोसा देता है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों और हवाई अड्डों का तेजी से विस्तार कर रहा है। इसके साथ ही जहाज निर्माण, सेमीकंडक्टर, क्वांटम तकनीक, महत्वपूर्ण खनिज और जैव प्रौद्योगिकी जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में नई क्षमताएं विकसित की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि भारत की यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ने बड़े पैमाने पर वित्तीय समावेशन और डिजिटल लेनदेन को नई गति दी है। आज दुनिया के वास्तविक समय में होने वाले भुगतान में 50 प्रतिशत भुगतान इस तकनीक के जरिये होते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक स्तर पर व्यापार बाधाएं बढ़ रही हैं, वहीं भारत आर्थिक पुल बना रहा है। उन्होंने कहा कि 2014 से भारत ने करीब 40 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। पीएम मोदी ने कहा, %हमारा दृष्टिकोण व्यापारिक बाधाओं को कम करने और कारोबार के लिए अवसर बढ़ाने पर केंद्रित है।% उन्होंने कहा कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत कृषि, स्वास्थ्य, कौशल और स्मार्ट ग्रिड जैसे क्षेत्रों में नए सहयोग नेटवर्क स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप और एमएसएमई को बाजार और वित्त से जोड़ने के लिए ब्रिक्स इन्क्यूबेटर नेटवर्क, ब्रिक्स एमएसएमई पोर्टल और ब्रिक्स स्टार्टअप इनोवेशन फंड जैसी पहल शुरू की गई हैं। उन्होंने कहा कि सभी देश इन सहयोग ढांचों का लाभ उठाकर निवेश और प्रतिभाओं के आदान-प्रदान को बढ़ा सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक व्यापार में प्रगति तभी संभव है, जब समुद्री मार्ग सुरक्षित हों, आपूर्ति मार्ग खुले रहें और नाविक सुरक्षित रहें। उन्होंने कहा कि भारत नौवहन की स्वतंत्रता और नाविकों की सुरक्षा का दृढ़ समर्थक है। पीएम मोदी ने कहा कि ब्रिक्स महिला बिजनेस अलायंस भी भारत के दृष्टिकोण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि भारत चाहता है कि महिला उद्यमी देश की विकास गाथा का नेतृत्व करें। उन्होंने बताया कि भारत में आयोजित इस गठबंधन की बैठक में करीब 200 महिला कारोबारी नेताओं ने हिस्सा लिया। ब्रिक्स के तीसरे दशक में प्रवेश का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स बिजनेस काउंसिल से कई लक्ष्य तय करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, क्या आप ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार की शीर्ष 10 बाधाओं को दूर करने पर एक रिपोर्ट तैयार कर सकते हैं? क्या हम हर साल 100 ब्रिक्स स्टार्टअप को दूसरे ब्रिक्स बाजारों में विस्तार करने में मदद कर सकते हैं? क्या हम अपने कारोबारों के बीच 1,000 नई साझेदारियां बना सकते हैं?% पीएम मोदी ने कहा कि इन तीनों मानकों पर हर साल प्रगति की समीक्षा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स की महत्वाकांक्षाओं को कार्रवाई और सामूहिक ताकत को वैश्विक समाधानों में बदलना चाहिए। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स को आगे बढ़ना चाहिए और दुनिया को भी आगे बढ़ाना चाहिए।ब्रिक्स बिजनेस फोरम में शामिल सभी नेताओं का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वागत किया। पीएम मोदी ने कहा कि 2006 में जब ब्रिक्स समूह की शुरुआत हुई थी, तब इसमें महज चार देश शामिल थे। आज ब्रिक्स और ब्रिक्स के सहयोगी देशों को मिलाकर 21 देशों का परिवार हो चुका है। दिल्ली में ब्रिक्स बिजनेस फोरम के नेताओं के सत्र को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज ब्रिक्स देश दुनिया की 50 प्रतिशत आबादी, 40 प्रतिशत वैश्विक जीडीपी और वैश्विक व्यापार के 25 प्रतिशत से अधिक हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, %इन वर्षों में जहां वैश्विक जीडीपी लगभग ढाई गुना बढ़ी है, वहीं ब्रिक्स देशों की संयुक्त जीडीपी करीब साढ़े चार गुना बढ़ी है। दूसरे शब्दों में, ब्रिक्स की आर्थिक ताकत बाकी दुनिया की तुलना में लगभग दोगुनी गति से बढ़ी है। मोदी ने कहा कि ब्रिक्स देश वैश्विक नवाचार और समाधान के प्रमुख केंद्रों के रूप में भी उभर रहे हैं। जमीनी स्तर की पहलों से लेकर अत्याधुनिक तकनीकों तक, नवाचार की नई संभावनाएं सदस्य देशों में आकार ले रही हैं। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स का बढ़ता आकार, गति और आशावाद हमारे बीच स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। भारत में आयोजित यह मंच अब तक का सबसे बड़ा ब्रिक्स बिजनेस फोरम है।ब्रिक्स बिजनेस फोरम में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि ब्रिक्स देशों के आपसी संबंध मजबूत हो रहे हैं। आपसी कारोबार को बढ़ावा देना हमारा लक्ष्य है। ब्रिक्स देशों के बीच दुनिया का करीब 40 फीसदी व्यापार होता है। ब्रिक्स के जरिए मुश्किलों का सामना कर सकते हैं। भारत की आईटी कंपनियां तेजी से आगे बढ़ ही हैं। जीडीपी में जी-7 से ब्रिक्स आगे निकल गया है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देश प्रतिस्पर्धा करने से डरते हैं। रूस पर गलत प्रतिबंध थोपे गए हैं। इन प्रतिबंधों के बावजूद रूस आगे बढ़ा है।दुनिया में गहरे संरचनात्मक और व्यापक बदलाव हो रहे हैं। दिल्ली में ब्रिक्स बिजनेस फोरम के नेताओं के सत्र को संबोधित करते हुए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में दुनिया की 40 प्रतिशत से अधिक जीडीपी ब्रिक्स देशों से आई है, जबकि तथाकथित जी7 देशों की हिस्सेदारी केवल 29 प्रतिशत रही है। पुतिन ने कहा, %इसी अवधि में वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि की बात करें तो इसमें आधे से अधिक योगदान ब्रिक्स देशों का रहा है, जबकि जी7 का योगदान केवल 18 प्रतिशत रहा। ऐसा क्यों है? इसका जवाब सरल है। ब्रिक्स देश दुनिया की आधी से अधिक आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं और यही वजह है कि उनके घरेलू बाजारों में काफी गतिशीलता और जीवंतता है। पुतिन ने कहा कि कभी-कभी प्रतिस्पर्धा बेहद खराब रूप ले लेती है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति राज्यों और सरकारों के स्तर पर भी देखने को मिल रही है। पुतिन ने कहा, कभी-कभी इसके लिए अपनाए जाने वाले उपाय भौतिक रूप ले लेते हैं। पाइपलाइनों को नष्ट किया जाता है, अंतरराष्ट्रीय परिवहन गलियारों को बाधित करने की कोशिश की जाती है और समुद्री जहाजों को जब्त किया जाता है। अवैध प्रतिबंध लगाए जाते हैं और उन लोगों के खिलाफ तथाकथित द्वितीयक प्रतिबंधों की धमकी भी दी जाती है, जो किसी और के हितों का पालन नहीं करना चाहते बल्कि अपने हितों को देखते हैं।% रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि रूस पर 30,000 से अधिक प्रतिबंध लगाए गए हैं। यह संख्या दुनिया के अन्य सभी देशों पर लगाए गए कुल प्रतिबंधों की संख्या से लगभग दोगुनी है। उन्होंने कहा कि इस मुश्किल परिस्थिति के बावजूद रूस सक्रिय रूप से काम कर रहा है और उसने बड़ी सफलता हासिल की है। पुतिन ने कहा कि रूस ने अपनी राष्ट्रीय संप्रभुता को मजबूत किया है और विश्वसनीय तथा भरोसेमंद साझेदारों के साथ संबंध विकसित कर रहा है। पुतिन ने कहा कि पिछले तीन वर्षों के दौरान रूस की आर्थिक वृद्धि दुनिया की औसत आर्थिक वृद्धि से अधिक रही है।

संक्षिप्त समाचार

राजस्व सेवाओं में बड़ा बदलाव, ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र बनवाना हुआ आसान; जमीन बंटवारे का काम भी ऑनलाइन होगा

उत्तर प्रदेश में राजस्व सेवाओं को डिजिटल बनाने के लिए ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र, सरलीकृत खतौनी और भूमि विभाजन से जुड़े नए पोर्टल शुरू किए गए हैं। अब ईडब्ल्यूएस आवेदन और भूमि बंटवारे की प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। खतौनी में क्षेत्रफल छह दशमलव तक दिखेगा। इससे पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्ध निस्तारण बढ़ेगा तथा तहसील के चक्कर कम होंगे। ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र की प्रक्रिया को ऑनलाइन करने के लिए ईडब्ल्यूएस पोर्टल, भूमि अभिलेखों को सरल और सटीक बनाने के लिए सरलीकृत खतौनी तथा राजस्व संहिता की धारा 116 के तहत भूमि विभाजन के मामलों के ऑनलाइन निस्तारण के लिए नया पोर्टल शुरू किया गया है। राजस्व परिषद की अध्यक्ष अर्चना अग्रवाल ने शुक्रवार को आंबेडकर सभागार में इन सुविधाओं का शुभारंभ किया। ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र के लिए कम होंगे तहसील के चक्कर- ईडब्ल्यूएस पोर्टल के जरिए आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के नागरिक अब प्रमाणपत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। और उसकी स्थिति क्या है, इसकी जानकारी डिजिटल माध्यम से देखी जा सकेगी। इससे कागजी कार्यवाही कम होने के साथ ही नागरिकों को बार-बार तहसील या संबंधित कार्यालयों के चक्कर लगाने की जरूरत कम होगी। डिजिटल निगरानी से निस्तारण में जवाबदेही और समयबद्धता बढ़ाने के साथ प्रक्रिया में पारदर्शिता भी मजबूत होगी।

मायावती का सपा-कांग्रेस पर तंजः नीला रंग अपनाने से जातिवादी सोच नहीं बदलेगी, समधी पर भी बोला हमला

बसपा सुप्रीमो मायावती ने सपा-कांग्रेस पर नीला रंग अपनाने को लेकर तंज कसा और कहा कि इससे वो बहुजन हितैषी नहीं बन जाएंगे। वहीं, समधी अशोक सिद्धार्थ पर भी हमला बोला।बसपा सुप्रीमो मायावती ने सपा-कांग्रेस पर हमलावर होते हुए कहा कि नीला रंग अपनाने से विपक्षी दलों की जातिवादी सोच नहीं बदलेगी। बहुजन समाज के हित के लिए पहले अपना दिल और दिमाग साफ करें। वहीं, उन्होंने समधी अशोक सिद्धार्थ पर भी हमला बोला। मायावती ने कहा कि आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ ने दबाव पड़ने के बाद भी राजनीति से सन्यास की घोषणा नहीं की जब उन्हें लगा कि ज्यादा बड़ा नुकसान हो सकता है तो उन्हें ये घोषणा करनी पड़ी।मायावती ने एक्स पर कहा कि उन्होंने कहा कि सपा, कांग्रेस व अन्य विरोधी पार्टियों के नेताओं व कार्यकर्ताओं द्वारा बीएसपी का शुरु से ही चला आ रहा नीला रंग अब यह इनके गले का गमछा व कपड़े पहनने से तथा स्टेज आदि में भी नीला कपड़ा इस्तेमाल करने से इनकी सर्वसमाज में से खासकर ग़रीबों, दलितों, आदिवासियों, पिछड़े व अन्य उपेक्षित वर्गों के प्रति वर्षों से चली आ रही इनकी जातिवादी, संकीर्ण, सामन्तवादी एवं पूँजीवादी सोच नहीं बदल सकती है तथा ना ही ये लोग दिल से अम्बेडकरवादी होने एवं कहलाने वाले हैं। इसीलिये 'बहुजन समाज' के वास्तविक हित व कल्याण के प्रति पहले वे अपना दिल व दिमाग तो पाक-साफ करें।वैसे भी ये लोग इन वर्गों के मामले में आए दिन गिरगिट की तरह ही रंग बदलते रहते हैं अर्थात् ये कहते कुछ हैं और करते उसके ठीक विपरीत हैं। खासकर इनके सपा के पीडीए के मामले में तो इनकी सोच, चाल, चरित्र व चेहरा आदि हमेशा दोगला व बईमान ही रहा है, जिसके अनेकों उदाहरण हैं, ये सभी जानते हैं। इसलिए इन वर्गों की एकमात्र हितैषी व अम्बेडकरवादी पार्टी केवल बीएसपी ही है, जो सर्वविदित है। उन्होंने आगे कहा कि यहां यह भी उल्लेखनीय है कि अन्य पार्टियों की तरह बीएसपी के जो भी लोग पार्टी में अनुशासनहीनता आदि के कारण समय-समय पर निष्कासित कर दिये जाते हैं तो वे अधिकतर इन्हीं सब कारणों से अब तक कई पार्टी बदल चुके हैं, जो किसी से छिपा नहीं है। इसी से ही अन्दाजा लगा लेना चाहिये कि ये लोग पूरे स्वार्थी व अवसरवादी हैं और वे किसी भी पार्टी के हित में नहीं हो सकते हैं। इतना ही नहीं बल्कि जिनको पार्टी से निकाल दिया जाता है तो उनमें से कुछ लोग दूसरी पार्टियों के हाथों में खेलकर छोटी-छोटी पार्टियां व संगठन आदि भी बना लेते हैं, जिनसे 'बहुजन समाज' का सामूहिक हित नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसी पार्टियां बिना किसी गठबन्धन के भी चुनाव नहीं लड़ सकती हैं तथा किसी भी पार्टी की सरकार बनने पर सरकार में शामिल हुए बिना भी नहीं रह सकती हैं। जो पार्टी से निकाले हुए लोगों को अक्सर अपनी पार्टी में लेने की बात करते हैं या उन्हें पार्टी बनाने की भी सलाह देते हैं, तो वे पहले अपने गिरेबान में भी झांककर जरूर देख लें। खासकर कांग्रेस पार्टी, जिन निकाले हुये लोगों को अपनी पार्टी में लेने की बात कर रही है, तो ऐसी पार्टी में जो डूबते जहाज की तरह है, उसमें भला कौन शामिल होकर अपने भविष्य को अन्धकार में डालेगा, जबकि खासकर इस पार्टी से दूरी बनाने के लिये बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी ने अपने जीते-जी बहुजन समाज के लोगों को अगाह (चेताया) भी किया था। मिलने पर, फिर मजबूरी में, अगले दिन यह सोच कर इनको लगभग प्रातः 6-30 बजे अपने संन्यास की काफी किन्तु-परन्तु वाली घोषणा करनी पड़ी है कि कहीं ज्यादा देरी होने पर और भी बड़ा नुकसान ना हो जाये, जिसके बारे में सही समय आने पर पार्टी के लोगों को और भी बहुत कुछ ज़रूर बताया जायेगा।

वंदे मातरम विवाद पर प्रियांक खरगेः बोले- गांधी-नेहरू की राह पर चलेंगे, देशभक्ति का पाठ भाजपा से क्यों सीखें?

कर्नाटक सरकार के सरकारी कार्यक्रमों में 'वंदे मातरम' के शुरुआती दो पद गाने के फैसले का प्रियांक खरगे ने बचाव किया। उन्होंने कहा कि यह फैसला गांधी टैगोर, पटेल और नेहरू जैसे नेताओं की परंपरा के अनुरूप है। खरगे ने भाजपा-आरएसएस पर देशभक्ति का पाठ पढ़ाने को लेकर निशाना साधा।प्रियांक खरगे ने सरकारी कार्यक्रमों में वंदे मातरम को दो छंदों तक सीमित करने के कर्नाटक सरकार के फैसले का बचाव किया। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि यह फैसला गांधीजी, सुभाष चंद्र बोस और रवींद्रनाथ टैगोर जैसी प्रमुख राष्ट्रीय हस्तियों के फैसले के अनुरूप है। प्रियांक खरगे ने क्या कहा? - उन्होंने इस मामले पर भाजपा और आरएसएस पर भी निशाना साधा। कहा कि उनकी पार्टी और सरकार को उनसे कुछ भी सीखने की जरूरत नहीं है। इसमें क्या गलत है? हमने वही किया है जो हमारे बुजुर्गों ने कहा है। हमने रवींद्रनाथ टैगोर, सुभाष चंद्र बोस, सरदार वल्लभभाई पटेल, गांधीजी और नेहरू जैसे 8-10 वरिष्ठ नेताओं के फैसलों और उनके बताए रास्ते का पालन किया है। क्या ये लोग (भाजपा) उनसे बड़े हैं?% वंदे मातरम पर राज्य सरकार के फैसले की भाजपा की आलोचना के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में खरगे ने यह बात कही। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'क्या हमें उन लोगों से देशभक्ति का पाठ सीखने की जरूरत है जिन्होंने अंग्रेजों से 60 रुपये की पेंशन ली थी? देश की आजादी में उनका क्या योगदान है? हमारा फैसला उन लोगों के फैसले के मुताबिक है जिन्होंने इस देश के लिए लड़ाई लड़ी और अपनी जान दी। हमें भाजपा या आरएसएस से कुछ भी सीखने की जरूरत नहीं है।%कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने आदेश दिया है कि उसके कार्यक्रमों में वंदे मातरम के केवल शुरुआती दो पद ही गाए जाएंगे, सिवाय उन कार्यक्रमों के जिनमें राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री या राज्यपाल शामिल हों। जब वंदे मातरम और राष्ट्रगान जन गण मन एक साथ बजाए जाएं, तो वंदे मातरम के सभी छह पद गाए जाएं। यह निर्देश केंद्र सरकार द्वारा वंदे मातरम के 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में जारी किया गया था। हालांकि, कांग्रेस कार्य समिति ने 19 अगस्त को वंदे मातरम पर अपने 1937 के प्रस्ताव का पालन करने का फैसला किया, जिसके तहत पार्टी कार्यक्रमों में राष्ट्रगीत के केवल दो पद ही गाए जाएंगे। पीडब्ल्यूडी मंत्री के खिलाफ छापे पर क्या कहा? पीडब्ल्यूडी मंत्री सतीश जारकीहोली के खिलाफ हाल ही में ईडी द्वारा की गई

संपादकीय Editorial

Systems have caved in to 'protests'

Across the country, 'protests' have become a powerful phrase and weapon. It can also be called a community experiment. It seems that suffering, injustice, and exploitation have reached such a peak that 'protests' are the only option left. Sometimes, it feels as if Mahatma Gandhi's consciousness has suddenly awakened within the group of 'protesters', determined to shake the very foundations of the system. Absolutely peaceful, restrained, and full of willpower, the 'protests' are being carried out in the face of the system's resistance and threats. They are successfully achieving their goals. This group is not inspired by Delhi's Jantar Mantar or Ramlila Maidan or any 'cockroaches'; rather, oppression, corruption, and exploitation have compelled them to struggle. Two examples seem unprecedented and unimaginable. Schoolgirls, drenched in rain, blocked the main road because they were fed up with the school's inefficient and neglectful systems. No teachers, no safe classrooms, no clean toilets, and no nutritious lunches! This protest shook the government and administration. The relevant officials immediately rushed to reassure the students. The protest was ended. Another example is from near Mhow (MP), the birthplace of Baba Ambedkar. In Nisarpur, Jhar district, the "Mata Shabri Residential Girls Hostel" was designed for 60 students, but approximately 150 were forced to live there, crammed like sheep and goats.

Late last Sunday night, 40 students from grades 9th-11th jumped out of windows, walked barefoot, and reached the police station. In the darkness of the night, the Sub-Divisional Magistrate (SDO) and Tehsildar rushed to the police station and heard the students' complaints. The hostel warden and acting principal were suspended with immediate effect. The system, more or less, had to bow to the protest. In fact, these "protests" are different from the various protests and movements in Delhi, Ranchi, Patna, Lucknow, and Kolkata. They neither want jobs, nor are they young enough, nor is their future at stake due to paper leaks or exam cancellations. Their protest is about basic infrastructure. Although the hunger strike and agitation in Ranchi have ended, the protests and struggle continue. Now, those 1,932 employed people are agitating, facing the loss of their jobs. The Soren government has cancelled all examinations conducted since 2014. Exams cancelled, so are selections, and as a result, jobs are lost…! This is a very strange situation. Now, these young people will go to court. In Patna, Bihar, approximately 70,000 positions are to be filled. In fact, there are over 110,000 vacancies in the government. In the face of protests and threats from young people, the government notified the recruitment and examination advertisement for 32,388 teachers in just four hours. Examinations are not held in Bihar year after year. Even a bachelor's degree takes five years. If exams are held, the results are pending.

When will the world care about Afghan girls? The Taliban, who captured Kabul, stopped their education, but we're not surprised that history is repeating itself.

The Taliban, who recaptured Kabul in 2021 after 1996, have banned girls from studying beyond the sixth grade. The surprise isn't that history is repeating itself, but that this time the world is not unaware. The Taliban recaptured Kabul in August 2021. Just weeks after, they banned girls from studying beyond the sixth grade. This ban remains in place. Afghanistan is the only country in the world where girls and women are officially barred from pursuing secondary and higher education. In the years that followed, Afghan women were also barred from working in most of the fields they previously worked in.About 2.2 million adolescent girls have been out of secondary school for approximately 1,800 days. According to a 2026 UNICEF analysis, these restrictions could cost Afghanistan approximately 20,000 female teachers and 5,400 health workers by 2030. These restrictions are costing the country an estimated US$84 million in economic losses each year. Since September 2025, the Taliban have barred Afghan women, even female United Nations (UN) staff, from entering UN offices. In January 2026, they also ceased receiving the salaries they had been receiving while at home since 2021. I've seen this before. The Taliban first captured Kabul in 1996. What's most surprising about this time's restrictions isn't that history is repeating itself, but that this time the world is unaware. Yet, the world's greatest failure is that despite knowing this truth, it has had no impact on the Taliban. Within days of the Taliban's takeover, Afghan women began chanting "Bread, Work, Freedom" on the streets of Kabul. This slogan demands basic human rights, such as education and employment, while attempts are being made to completely erase them from public life. During this period, Afghan women's groups organized numerous protests, and the women involved faced arrest, torture, and even murder. The repression was so severe that they were forced to conduct their protest activities secretly. Recently, in February 2026, girls once again took to the streets of Kabul, demanding the right to education. They chose a quiet but effective path of protest. They have created an informal network of secret home-based schools, which teach girls for whom normal classrooms are closed. Women are doing this because no one else will do this work for them, and it is essential. The primary channel for international dialogue with the Taliban is the UN-led Doha Process. Several rounds of talks have been held with Taliban representatives since 2023. Its aim is to reintegrate Afghanistan into the global community. This includes issues such as normal diplomatic relations, formal recognition of the Taliban government, and Afghanistan's normal participation in international institutions and trade. Under Taliban pressure, women and Afghan civil society organizations have been excluded from the main negotiations. They have been participating in separate meetings outside the main talks. Seema Samar, former chair of the Afghan Independent Human Rights Commission, argues that by accepting the Taliban's conditions for participation, the UN risks inadvertently legitimizing the very policies it claims to oppose. Meanwhile, Georgette Gagnon, Deputy Special Representative and Officer-in-Charge of the UN Assistance Mission in Afghanistan, expressed the opposite view at the same session. She argued that while progress may be slow, it is essential to maintain principled and practical engagement. This disagreement at the UN forum highlights the same situation that Afghan women have been drawing global attention to for years—statements of concern continue to surface, but they have no impact on the Taliban.In September 2024, Australia, Canada, Germany, and the Netherlands formally took up Afghanistan's obligations under CEDAW. CEDAW is the United Nations Convention on the Elimination of Discrimination against Women, which Afghanistan ratified in 2003. This initiative marked the first attempt to hold a country accountable for gender discrimination before the world's highest court. However, two years later, the case has not reached the International Court of Justice (ICJ). When the Netherlands and Canada adopted a similar process in a torture case against Syria, they completed every stage without delay. After negotiations stalled in 2022, they immediately sought mediation. When Syria failed to comply within the stipulated six-month deadline, the two countries filed a case with the ICJ in 2023 and obtained a binding order. Despite using this process against Afghanistan, no major success has been achieved. The matter remains stuck where it began. Afghan women and the countries that support them deserve a swift resolution like the one in Syria. I understand this well because I have experienced it myself. After the Taliban took Kabul in 1996, we learned on the radio that we had been promoted to the next class and that girls' schools would be closed. My parents took my sister and me to Pakistan to continue our studies. This was a decision many Afghan families couldn't make. I became the first woman to serve in the Afghan cabinet, first as a director, then as a deputy minister, and later as acting minister of mines and petroleum. Things changed for my generation. But there's no guarantee that the same will happen for today's generation. Over the past five years, Afghan women have proven they're not willing to accept this restriction forever. It's important to ask why, when Afghan women aren't willing to give up, the rest of the world has settled for so little. -The Conversation

This is what this generation will do: the dream of a developed India rests on the shoulders of Gen Z and Gen Alpha. Are we giving them the opportunity?

The dream of a developed India must be fulfilled by Gen Z and Gen Alpha, but the question is whether we are giving them the opportunity to do so. The goal of a developed India by 2047 is not a distant dream. Today, teenagers who are observing the future world on their mobile phones and children who understand AI as easily as previous generations understood radio and television will determine India's direction. They will lead Parliament, the courts, the administration, the military, science, industry, universities, and society. Therefore, the question of what India will be like in 2047 is actually linked to a deeper question: what are today's Generation Z (Gen G) and Alpha becoming?

Nations are not just made of roads, buildings, and the economy; they are also made of the character, mindset, dreams, and decisions of their citizens. Gen-Z and Gen-Alpha are the first generations in the country for whom the digital world is a natural extension of life. They hold not just smartphones, but the entire world in their hands. They learn quickly, see change as an opportunity, think beyond boundaries, and are unafraid to take risks. Startup culture, digital payments, space technology, online education, and global collaboration have reinvigorated their confidence. This energy can propel India forward toward innovation, entrepreneurship, and a knowledge-based economy. However, every era brings its own challenges. The same digital world that has provided them with boundless opportunities has also created the pressure of constant comparison, instant gratification, and information noise. In the future, this new generation will possess technologies that cannot even be fully imagined today. Decisions will be more data-driven, services will be more transparent, health and education will be more personalized, and governance can become more accountable. However, the outcome of technology depends on the character of the individuals who use it. Smart systems do not automatically create sensitive societies. In this context, the ideals of Mahatma Gandhi take on a new relevance. Gandhiji envisioned a society where there was justice, compassion, morality, and equal opportunity. He emphasized self-governance and the welfare of every individual. If we interpret these ideas in 21st-century terms, a modern society should be one where AI and new technology are used, yet human understanding and sensitivity are maintained in decisions. Digital governance should prevail, but the dignity of citizens should be paramount. The benefits of economic development should reach the last person in society. Humans and their needs should be at the center of innovation.

The question isn't whether Gen Z and Gen Alpha can achieve this; it's whether we're giving them the opportunity to become so. These generations demonstrate remarkable awareness about climate change, gender equality, mental health, social entrepreneurship, and global citizenship. They readily embrace diversity and have begun to view failure as part of the learning process. This vision can take India to new heights. However, if education becomes merely a means to a job, if families begin to provide facilities instead of dialogue, if success is limited to wealth and popularity, then the dream of a developed India will remain unfulfilled. Therefore, the ultimate goal for today's generation is not to surpass others, but to become a better version of themselves, combining knowledge with humility, ambition with responsibility, and success with sensitivity. Therefore, the greatest investment for a developed India should not be solely in digital infrastructure, but in personality development. Educational institutions should foster curiosity and develop critical thinking. Families should foster both dialogue and values, and public institutions should inspire young people to become.

मानव-तेंदुआ संघर्ष की रोकथाम के लिए वन विभाग का व्यापक रेस्क्यू एवं जन-जागरूकता अभियान जारी

मानव-तेंदुआ संघर्ष की रोकथाम एवं तेन्दुओं की सुरक्षित निगरानी के लिए वन विभाग द्वारा ठाकुरद्वारा तहसील क्षेत्र में वृहद स्तर पर रेस्क्यू एवं जन-जागरूकता अभियान लगातार चलाया जा रहा है। अभियान के तहत ठाकुरद्वारा तहसील के बलियावाला, बल्लमगढ़, बाहपुर, लालापुर पीपलसाना, सूरजननगर, सुल्तानपुर दोस्त, सरकड़ा परम आदि गांवों तथा कांठ तहसील के ग्राम रम्पुरा, दयानाथपुर, कुपावली, चौहरा रसूलपुर, सलेमपुर, राजीपुर, पाइंदापुर आदि गांवों में लगाए गए पिंजरों का निरीक्षण किया गया। वनकर्मियों द्वारा पिंजरों की नियमित निगरानी भी की जा रही है।

प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी डॉ विनय कुमार सिंह ने बताया कि वन विभाग की रेस्क्यू टीम को किशनपुर गामड़ी, सरकड़ा परम, मुल्तावान आदि संवेदनशील गांवों में तेन्दुआ दिखाई देने की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल मौके पर पहुंचकर तेन्दुए की लोकेशन ट्रैक की गई तथा चिन्हित स्थलों पर पिंजरे लगाए गए हैं। इसके साथ ही ग्राम मलाकपुर सेमली, बहादरनगर, शेरपुर पट्टी, गामड़ी, लालापुर पीपलसाना, बाहपुर, पीपली घनश्याम, किशनपुर गामड़ी, मेंढया, सरकड़ा करीम, सुल्तानपुर दोस्त आदि संवेदनशील ग्रामों में लाउडस्पीकर युक्त वाहनों के माध्यम से प्रचार-प्रसार कर ग्रामीणों को तेन्दुए से बचाव एवं सावधानी बरतने के संबंध में जागरूक किया जा रहा है।

रेस्क्यू टीम द्वारा तेन्दुआ प्रभावित क्षेत्रों में दिन-रात सतत निगरानी की जा रही है। संवेदनशील गांवों के विभिन्न स्कूलों एवं विद्यालयों में पहुंचकर छात्र-छात्राओं तथा अध्यापकों को भी तेन्दुए से बचाव एवं आवश्यक सावधानियों के संबंध में जानकारी दी जा रही है।

उन्होंने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि जनपद मुरादाबाद में तेन्दुआ प्रभावित 40 गांवों में कुल 49 पिंजरे लगाए गए हैं। तेन्दुओं की उपस्थिति एवं पहचान करने के लिए 40 ट्रैप कैमरे भी लगाए गए हैं। साथ ही वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया की टीमों द्वारा कैमरों को लगाने तथा उनसे प्राप्त फोटो एवं अन्य गतिविधियों का अध्ययन किया जा रहा है, जिससे तेन्दुओं की गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखी जा सके।

वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि तेन्दुए की गतिविधियों को देखते हुए घबराने के बजाय सतर्कता और सावधानी बरतें तथा निम्न सावधानियों का पालन करें

समूह में निकलें- खेतों अथवा जंगल की ओर अकेले न जाएं। हमेशा 3-4 लोगों के समूह में ही बाहर निकलें।

आवाज करते रहें- खेतों में जाते समय आपस में बातचीत करते रहें, गाना गाएं अथवा हाथ में लाठी-डंडे बजाते हुए चलें। आवाज सुनकर तेन्दुआ रास्ता बदल सकता है।

रात में विशेष सतर्कता बरतें- रात के समय आवश्यक रूप से हाथ में तेज रोशनी वाली टॉर्च एवं लाठी रखें।

बच्चों एवं मवेशियों की सुरक्षा करें- छोटे बच्चों को घर से बाहर अकेला न छोड़ें। अपने पालतू जानवरों एवं मवेशियों को सुरक्षित और बंद बाड़े में रखें।

तेन्दुआ दिखाई देने पर तत्काल सूचना दें- यदि किसी क्षेत्र में तेन्दुआ दिखाई देता है तो तत्काल वन विभाग अथवा पुलिस को सूचना दें। वन विभाग द्वारा ग्रामीणों से सहयोग बनाए रखने की अपील करते हुए कहा गया है कि तेन्दुए की किसी भी गतिविधि की सूचना तत्काल संबंधित अधिकारियों को दें और स्वयं तेन्दुए को पकड़ने अथवा उसके नजदीक जाने का प्रयास न करें। विभागीय रेस्क्यू टीम द्वारा स्थिति पर लगातार निगरानी रखते हुए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

शोहदे से परेशान छात्रा ने दी जान: स्कूल आते-जाते रास्ते में लड़की को करता था परेशान, मानसिक रूप से टूट चुकी थी

छेड़खानी से तंग आकर दसवीं की छात्रा ने जान दे दी। पुलिस ने आरोपी नय्यूम को हिरासत में लिया है। उसके खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज हुआ है।दूसरे समुदाय के युवक की छेड़खानी से तंग आकर दसवीं की छात्रा ने फंदे पर लटककर जान दे दी। सूचना पर इंस्पेक्टर और सीओ हसनपुर मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। परिजनों की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने आरोपी युवक नय्यूम को हिरासत में लिया है। गजरौला थानाक्षेत्र निवासी छात्रा की मां ने बताया कि आरोपी युवक कई महीने से सरेराह बेटी को परेशान करता था। साइकिल से स्कूल जाते समय अक्सर पीछा कर छेड़खानी करता था। इस संबंध में छात्रा ने परिजनों को जानकारी दी थी, जिसके बाद कई बार आरोपी युवक को समझाया और पुलिस कार्रवाई की चेतावनी भी दी लेकिन वह हरकतों से बाज नहीं आया।आरोप है कि बुधवार को भी स्कूल से लौटते समय आरोपी नय्यूम ने छात्रा को रास्ते में परेशान किया जिसके बाद छात्रा मानसिक रूप से काफी परेशान थी। उसने परिजनों को भी इसकी जानकारी दी। फिर बृहस्पतिवार की सुबह करीब आठ बजे छात्रा की मां पशुशाला में चली गईं, जबकि छोटी बहन स्कूल गई थी। इसी दौरान घर में अकेली छात्रा ने फंदे पर लटक कर जान दे दी। कुछ देर बाद मां वापस लौटीं तो कमरे में बेटी को लटका देखकर चीख पड़ीं। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए।सूचना मिलते ही सीओ हसनपुर पंकज त्यागी और गजरौला प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार पुलिस बल के साथ गांव पहुंचे। सीओ पंकज त्यागी ने बताया कि मामले में छात्रा के भाई की तहरीर पर नय्यूम के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोपी युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

आजम खां: जौहर विवि को चंदा देने और निर्माण कराने वाले ठेकेदार की होगी जांच, ईडी खंगाल रही रिकॉर्ड

जौहर यूनिवर्सिटी के भवन निर्माण कराने वाले रामपुर के मूल निवासी बिल्डर एवं ठेकेदार सैयद खालिद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच के दायरे में हैं। सपा शासन में कराए गए उनके अन्य सरकारी निर्माण कार्यों का रिकॉर्ड भी खंगाला जा रहा है। इससे कई ठेकेदारों में हड़कंप मचा हुआ है।जौहर ट्रस्ट को चंदा देने और जौहर यूनिवर्सिटी में निर्माण कराने वाले रामपुर के मूल निवासी बिल्डर एवं ठेकेदार सैयद खालिद के सपा शासन में कराए गए अन्य सरकारी निर्माण कार्य भी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच के दायरे में हैं। पता चला है

कि खालिद समेत छह ठेकेदारों ने आजम खां के ड्रीम प्रोजेक्ट जौहर यूनिवर्सिटी में 28 से ज्यादा भवनों का निर्माण कराया था। उस दौर में इन्हें प्रदेश के अन्य शहरों में हुए कई सरकारी कामों के ठेके भी मिले थे। ईडी की जांच में इन सभी ठेकेदारों के अन्य शहरों में कराए कामों से जुड़ा रिकॉर्ड भी खंगाला जाएगा।सूत्र बताते हैं कि ईडी की टीम- जौहर यूनिवर्सिटी में बने शैक्षणिक और प्रशासनिक भवनों समेत अन्य निर्माण से जुड़े ठेके-ठेकेदार, कराए गए काम, खर्च-भुगतान और वित्तीय लेनदेन का ब्योरा जुटा रही है। निर्माण से जुड़े अनुबंध, बिल, भुगतान की रसीदें, बैंक खातों का लेनदेन और फर्मों के बीच हुए वित्तीय व्यवहार से संबंधी कागजों को भी जांचा जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक ईडी के सामने आई जानकारी के अनुसार यूनिवर्सिटी में निर्माण कार्य करने वाले कुछ ठेकेदारों ने लखनऊ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और नोएडा समेत प्रदेश के कई जिलों में सरकारी विभागों के ठेके लेकर भी निर्माण कार्य कराए थे। पड़ताल में यह देखा जा रहा है कि इन ठेकेदारों को कौन-कौन से सरकारी विभागों से क्या-क्या काम मिले, उनकी लागत कितनी थी, भुगतान किस खाते में हुआ और इन कारोबारों से जुड़े धन का आगे किस तरह इस्तेमाल हुआ। विभिन्न विभागों से भी इस मामले में जानकारियां जुटाई जा रही हैं।जब्त दस्तावेजों से कड़ियां जोड़ने की कवायद- ईडी की हालिया कार्रवाई के दौरान जौहर यूनिवर्सिटी और उससे जुड़े लोगों के साथ ठेकेदारों के ठिकानों पर भी जांच की गई थी। इस दौरान दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड खंगाले गए। कुछ जब्त भी किए गए। अब इन्हीं रिकॉर्ड से ठेकेदारों और यूनिवर्सिटी के बीच वित्तीय संबंधों की कड़ियां जोड़ने की कवायद की जा रही है। जांच एजेंसी सरकारी ठेकों से जुड़े भुगतान, ठेकेदारों के खातों और यूनिवर्सिटी में हुए निर्माण पर खर्च की गई रकम के बीच संभावित संबंध की पड़ताल कर रही है।आगे और नाम सामने आने की संभावना- जौहर यूनिवर्सिटी में हुए निर्माण और उससे जुड़े ठेकेदारों का प्रदेश के कई जिलों में सरकारी काम करना जांच के गंभीर रुख का इशारा दे रहा है। दस्तावेजों और बैंकिंग रिकॉर्ड की पड़ताल आगे बढ़ने पर पुराने समय के ठेके तय होने से लेकर निर्माण पूरे होने तक इससे जुड़े अन्य लोगों और फर्मों की भूमिका भी सामने आ सकती है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बिलारी (मुरादाबाद)

नोटिस :

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मोहल्ला बाजार वार्ड संख्या-06 तहसील बिलारी स्थित भवन संख्या-310 जो गृहकर अभिलेखों में श्रीमती रेनू चौधरी पुत्री श्री विजयपाल सिंह, निवासी मोहल्ला बाजार राजा बाग कालोनी हॉल निवासी शांतिपुरम कस्बा व तहसील बिलारी जिला मुरादाबाद के नाम दर्ज है, पर श्रीमती अंजली चौधरी पत्नी श्री गौरव चौधरी, निवासी ग्राम ढकियानरू कस्बा व तहसील बिलारी जिला मुरादाबाद के द्वारा उक्त भवन के रकबा 138.80 वर्गमीटर गृहकर अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने हेतु इस कार्यालय में एक प्रार्थना पत्र दिनांक 18/08/2026 को प्रेषित किया गया है। जिसके साक्ष्य में इनके द्वारा प्रार्थना पत्र के साथ विक्रय पत्र की छायाप्रति संलग्न कर प्रेषित की गयी है।

क्र म सं0	भवन संख्या	मोहल्ला	वर्तमान में दर्ज नाम	नाम परिवर्तन की दशा में गृहकर का प्रकार
1	310	बाजार	श्रीमती रेनू चौधरी पुत्री श्री विजयपाल सिंह	श्रीमती अंजली चौधरी पत्नी श्री गौरव चौधरी

उक्त के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस नोटिस की दिनांक के 30 दिन के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में साक्ष्यों सहित कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयसीमा तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में आवेदक का नाम गृहकर अभिलेखों में दर्ज कर दिया जायेगा। दर्ज करने के उपरान्त किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

राजस्व-निरीक्षक
नगर पालिका परिषद
बिलारी

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बिलारी (मुरादाबाद)

नोटिस :

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मौहल्ला महाजनान वार्ड संख्या-07 तहसील, बिलारी स्थित भवन संख्या-231 जो गृहकर अभिलेखों में श्रीमती उर्मिला सिंह पत्नी श्री हरि सिंह निवासी मौहल्ला महाजनान कस्बा व तहसील बिलारी के नाम दर्ज है पर श्री हरि सिंह पुत्र स्व0 श्री प्रताप सिंह निवासी मौहल्ला महाजनान कस्बा व तहसील बिलारी जिला मुरादाबाद के द्वारा उक्त भवन के रकबई 41.78 वर्गमीटर गृहकर अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने हेतु इस कार्यालय में एक प्रार्थना पत्र दिनांक-01/04/2025 को प्रेषित किया गया है। जिसके साक्ष्य में इनके द्वारा वसीयतनामा, मूलवाद संख्या-172/2022, मृत्यु प्रमाण पत्र छायाप्रति एवं श्री राजेश कुमार एडवोकेट की विधिक राय की छायाप्रति संलग्न कर प्रेषित की गयी है।

क्र म सं0	भवन संख्या	मोहल्ला	वर्तमान में दर्ज नाम	नाम परिवर्तन की दशा में गृहकर का प्रकार
1	231	महाजनान	श्रीमती उर्मिला सिंह पत्नी श्री हरि सिंह	श्री हरि सिंह पुत्र स्व0 श्री प्रताप सिंह

उक्त के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस नोटिस की दिनांक के 30 दिन के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में साक्ष्यों सहित कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयसीमा तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में आवेदक का नाम गृहकर अभिलेखों में दर्ज कर दिया जायेगा। दर्ज करने उपरान्त किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

राजस्व-निरीक्षक
नगर पालिका परिषद
बिलारी

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बिलारी (मुरादाबाद)

नोटिस :

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मोहल्ला बाजार वार्ड संख्या-24 तहसील, बिलारी स्थित भवन संख्या-118/1 जो गृहकर अभिलेखों में श्री शंकर सिंह पुत्र श्री लायखन सिंह निवासी मोहल्ला बाजार कस्बा व तहसील बिलारी जिला मुरादाबाद के नाम दर्ज है पर श्री दीपक सक्सेना पुत्र श्री आनंद शंकर सक्सेना निवासी मौ0 बाजार तहसील बिलारी जिला मुरादाबाद के द्वारा उक्त भवन के रकबा-16.65 वर्गमीटर भाग पर गृहकर अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने हेतु इस कार्यालय में एक प्रार्थना पत्र दिनांक-06/08/2026 को प्रेषित किया गया है। जिसके साक्ष्य में इनके द्वारा प्रार्थना पत्र के साथ विक्रय पत्र की छायाप्रति संलग्न कर प्रेषित की गयी है।

क्र म सं0	भवन संख्या	मोहल्ला	वर्तमान में दर्ज नाम	नाम परिवर्तन की दशा में गृहकर का प्रकार
1	118/1	बाजार	श्री शंकर सिंह पुत्र श्री लायखन सिंह	श्री दीपक सक्सेना पुत्र श्री आनंद शंकर सक्सेना

उक्त के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस नोटिस की दिनांक के 30 दिन के भीतर अपनी आपत्ति मय साक्ष्य के प्रस्तुत कर सकता है। बीत जाने मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

राजस्व-निरीक्षक
नगर पालिका परिषद
बिलारी

कंस वध फूलडोल शोभायात्रा धूमधाम से निकाली

बिलारी । क्षेत्र के गांव अमरपुर काशी में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कंस वध फूलडोल शोभायात्रा धूमधाम और श्रद्धा के साथ निकाली गई। ग्राम प्रधान विजयपाल सिंह और आचार्य ओम कृष्ण शास्त्री महाराज ने फीता काटकर शोभायात्रा का शुभारंभ किया। शोभायात्रा श्रीमती मीरा अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर से प्रारंभ होकर गांव के विभिन्न मार्गों से भ्रमण करते हुए वापस विद्यालय परिसर में पहुंचकर संपन्न हुई।

शोभायात्रा में भगवान कृष्ण के बाल रूप लड्डू गोपाल का रथ आकर्षण का केंद्र रहा। श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा में शामिल होकर भगवान कृष्ण के बाल स्वरूप के दर्शन किए। आयोजन में ग्राम प्रधान विजयपाल सिंह, भंडारी सिंह, राम बहादुर, अंकित, पप्पू सैनी, गोपाल सैनी, आकाश शर्मा, आकाश सैनी, विजेंद्र सिंह, विष्णु ठाकुर, प्रधानाध्यापक ब्रह्म प्रताप सिंह सहित आचार्य ओम कृष्ण शास्त्री महाराज का पूर्ण सहयोग रहा।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।
ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

गौशालाओं में लापरवाही बर्दाश्त नही: एडीएम प्रशासन का औचक छापा

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / ?बरेली। निराश्रित गोवंशों के संरक्षण और देखभाल को लेकर प्रशासनिक अमला पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। शुक्रवार को अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पूर्णिमा सिंह ने तहसील आंवला के विकासखंड आलमपुर जाफराबाद अंतर्गत ग्राम कुद्धा स्थित कान्हा गौशाला का औचक स्थलीय निरीक्षण किया।

अचानक हुए इस निरीक्षण से गौशाला प्रबंधन और मातहतों में हड़कंप मच गया। चारा-पानी और स्वास्थ्य जांच की परखी हकीकत- एडीएम (प्रशासन) ने गौशाला परिसर में घूमकर संरक्षित गोवंशों की वास्तविक संख्या, चारे-भूसे के भंडार, स्वच्छ पेयजल और साफ-सफाई की स्थिति की बारीकी से पड़ताल की। उन्होंने मौके पर मौजूद रजिस्टर से गोवंशों की संख्या का मिलान कराया और दैनिक आहार वितरण की जानकारी ली। बीमार पशुओं को अलग रखने के कड़े निर्देश-निरीक्षण के दौरान एडीएम पूर्णिमा सिंह ने निर्देश दिए कि किसी भी हाल में स्वस्थ और बीमार गोवंशों को एक साथ न रखा जाए। संक्रामक बीमारियों से बचाव के लिए बीमार गोवंशों को तत्काल अलग (आइसोलेट) कर उनका समुचित इलाज कराया जाए। उन्होंने मौके पर उपस्थित पशु चिकित्साधिकारियों को नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण करने और जीवनरक्षक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की हिदायत दी। अव्यवस्था मिली तो तय होगी जवाबदेही अपर जिलाधिकारी ने गौशाला संचालक को दो-टूक कहा कि शासन की प्राथमिकताओं में किसी भी स्तर पर हीलाहवाली बर्दाश्त नहीं होगी। यदि चारे-पानी या ठंड/मौसम से बचाव में कोई कोताही पाई गई तो सीधी कार्रवाई होगी। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी आंवला सुशील कुमार मिश्र, खण्ड विकास अधिकारी आलमपुर जाफराबाद, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी तथा गौशाला संचालक प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

अग्रसेन कॉलेज में हुनर की उड़ान: पिडीलाइट इंडस्ट्रीज के साथ एमओयू, छात्र सीखेंगे पिचवई कलमकारी और क्राफ्ट के गुण

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय ने कला, शिल्पकारी में कौशल विकास और गृह उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। संस्थान ने प्रसिद्ध कंपनी पिडीलाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड, आगरा के साथ एक महत्वपूर्ण एमओयू (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस करार के तहत कॉलेज के विभिन्न संकायों के 35 छात्र-छात्राओं को शिल्प कला की बारीकियों का प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। हुनरमंद बनेंगे युवा, मिलेगा रोजगारपरक ज्ञान- कंपनी की ओर से विपणन क्षेत्र कार्यकारी दीपक गुप्ता ने कार्ययोजना साझा करते हुए बताया कि प्रशिक्षण सत्र में विद्यार्थियों को पारंपरिक पिचवई कलमकारी, गुलदस्ता सजावट और विविध हस्तकला विधाओं का व्यावहारिक अभ्यास कराया जाएगा। इसके साथ ही तकनीकी व व्यावसायिक दक्षता, व्यावसायिक संचार और स्वरोजगार स्थापित करने के व्यावहारिक गुर सिखाए जाएंगे। प्रशिक्षण पूरा होने पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र तथा शीर्ष तीन उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विशेष गिफ्ट हैंपर देकर सम्मानित किया जाएगा। कॉलेज प्रबंधन और विशेषज्ञों की रही मौजूदगी एमओयू के दौरान कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल, गृह विज्ञान विभागाध्यक्षा अर्चना रानी, डीन मयंक शर्मा, डिप्टी चीफ प्रॉक्टर अजीत सिंह, डॉ. सुमित अग्रवाल, डॉ. ए.के. शर्मा, अंशिका सक्सेना, आयुषी सक्सेना सहित पिडीलाइट के विपणन क्षेत्र कार्यकारी दीपक गुप्ता और विषय विशेषज्ञ पूजा गोयल उपस्थित रहीं। इस उपलब्धि पर महाराजा अग्रसेन शिक्षा समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार अग्रवाल (फन सिटी), संस्थापक अध्यक्ष राम प्रकाश अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रेम शंकर अग्रवाल, महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल (राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त), कोषाध्यक्ष प्रकाश चन्द्र अग्रवाल, प्रबंध समिति के सदस्यों एवं निदेशक डॉ. प्रवीन कुमार अग्रवाल ने हर्ष जताते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

बैंक यूनियंस की हड़ताल, सप्ताह में पांच दिन काम की मांग पर अड़े बैंक कर्मी, दिया अल्टीमेटम

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (UFBU) ने सप्ताह में पांच दिन काम (फाइव-डे वर्किंग) के मुद्दे पर मोर्चा खोल दिया है। शुक्रवार को यूनियन की राष्ट्रव्यापी हड़ताल के क्रम में बरेली में भी बड़ा विरोध नजर आया। यहां सिविल लाइंस स्थित इंडियन बैंक के बाहर बैंक कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। चेतावनी के साथ कि अगर उनकी मांगों को अनसुना किया गया तो 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। बहरहाल, बैंकिंग सेक्टर के एक दिन के विरोध के कारण बड़े नुकसान का अंदाजा लगाया जा रहा है। ग्राहक परेशाना हुए वो अलग। यूनियन ने पूर्व निर्धारित तारीख पर शुक्रवार को हड़ताल कर दी। उधर, बैंकों में कामकाज के लिए आने वाले ग्राहकों को बैरंग लौटना पड़ा। अब सोमवार को बैंक खुलेंगे।

अवैध हथियार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में एक युवक को गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच /फतेहगंज पश्चिमी में पुलिस ने अवैध हथियार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे चिटौली अंडरपास के पास हाईवे लिंक रोड से पकड़ा। उसके पास से 315 बोर का एक अवैध तमंचा और दो जिंदा कारतूस मिले हैं।पुलिस के मुताबिक, उपनिरीक्षक आदेश कुमार अपनी टीम के साथ इलाके में संदिग्ध लोगों और वाहनों की जांच कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि चिटौली अंडरपास के पास हाईवे लिंक रोड पर एक युवक अवैध हथियार के साथ खड़ा है और किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में है।सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घेराबंदी की। पुलिस को देखकर युवक भागने लगा, लेकिन टीम ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सोनू बताया, जो मोहल्ला नौगमा, कस्बा फतेहगंज पश्चिमी का रहने वाला है। तलाशी के दौरान सोनू के पास से 315 बोर का अवैध तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। थाना प्रभारी प्रवीन कुमार ने बताया कि बरामद सामान को सील कर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। सोनू को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

बैंक से लौट रहे दंपति से 90 हजार लूटने की कोशिश, विरोध करने पर मारपीट; पत्नी का हाथ टूटा

क्यूँ न लिखूँ सच /फतेहगंज पश्चिमी।थाना से महज 100 मीटर की दूरी पर मौजूद दिल्ली हाइवे के राधा कृष्ण चौराहे कट के पास कस्बा की एक बैंक से ऋण की राशि 90 हजार लेकर अपने घर लौट रहे बाइक सवार दंपति के साथ पीछे से आए बाइक सवार तीन लड़कों ने बाइक गिराकर लूटपाट करने की कोशिश की।पीड़ित के साथ मारपीट भी की।राहगीरों के विरोध के चलते तीनों बाइक लेकर फरार हो गए।इस दौरान पत्नी के हाथ में फ्रैक्चर भी हो गया।हालांकि पीड़िता के विरोध के चलते और धनराशि पत्नी के पास होने के कारण 90 हजार रुपए बच गए।पीड़ित की सूचना पर करीब एक घंटे बाद पुलिस ने मौका मुआना किया। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार को बरेली के रजा कालोनी नबदिया निवासी हनीफ अपनी पत्नी के साथ कस्बा की एक बैंक से ऋण की राशि 90 हजार लेकर करीब साढ़े 4 बजे अपने घर लौट रहे थे।कस्बा से निकलते ही हाइवे के राधा कृष्ण चौराहे कट के पास पीछे से आए बाइक सवार तीन कथित लड़कों ने टक्कर मारकर उनकी बाइक गिरा दी।तीनों ने पीड़ित हनीफ को दबोच लिया।उसकी जेब से जबरजस्ती ऋण की धनराशि निकालने की कोशिश करने लगे।विरोध करने पर दोनों के साथ मारपीट की।जिससे पत्नी सबली का हाथ टूट गया।हनीफ भी चोटिल हो गया।राहगीरों के ललकारने पर तीनों बाइक लेकर फरार हो गए।लेकिन धनराशि पत्नी के पास होने और पीड़ित के द्वारा संघर्ष करने के कारण धनराशि लूटने से बच गई।पीड़ित की सूचना पर करीब एक घंटे के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना स्थल का जायजा लिया।पीड़ित की तहरीर पर पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। सीओ हाइवे देवेश सिंह ने बताया धनराशि छीनने की कोशिश की थी।लेकिन राहगीरों और पीड़ित के विरोध के चलते वह धनराशि नहीं छीन पाए।पीड़ित ने अज्ञात तीन लोगों के खिलाफ तहरीर दी है।जांच करके आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही करके जल्द उनकी गिरफ्तारी की जाएगी।

गौवंशीय पशुओं की मौत के बाद, गौशालाओं में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे, कंट्रोल रूम से निगरानी

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। यूपी सरकार के पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह के गृह जनपद बरेली में गौवंशीय पशुओं की निगरानी को लेकर एक ठोस पहल सामने आ रही है। जिले की सभी 120 गौशालाओं को सीसीटीवी से लैस होंगी। विकास विभाग में एक कंट्रोल रूम बनाया जा रहा है। सभी गौशालाओं इसी कंट्रोल रूम से कनेक्ट होंगी। कंट्रोल रूम में बैठी टीम हर गौशाला की लाइव स्थिति देखेगी। गौशालाओं की साफ-सफाई, गौवंश के चारे-पानी पर नजर रखी जाएगी। पिछले दिनों में बरेली की गौशालाओं में गौवंशीय पशुओं की मौत और बदतर हालत की तस्वीरें सामने आने के बाद निगरानी बढ़ाने पर जोर है। बरेली की मुख्य विकास अधिकारी देवयानी ने बताया कि एक ही जगह से सभी गौशालाओं पर नजर रखी जाएगी। इससे पारदर्शिता के साथ निगरानी तंत्र मजबूत होगा। गौवंश के संरक्षण और देखलाभ की व्यवस्था पहले से कहीं अधिक प्रभावी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि गौशालाओं को सीसीटीवी से जोड़ने की प्रक्रिया चल रही है। सभी गौशालाएं में सीसीटीवी लगने के बाद इन्हें कंट्रोल रूम से कनेक्ट कर दिया जाएगा। कंट्रोल रूम तैयार विकास भवन में गौशालाओं पर नजर रखने वाला कंट्रोल रूम तैयार किया गया है। स्क्रीन लगने लगी हैं। ट्रायल भी शुरू कर दिया गया है। कुछ गौशालाओं को कंट्रोल रूम से जोड़कर निगरानी की जा रही है। गौवंश के संरक्षण की दिशा में यह एक शानदार पहल मानी जा रही है।

वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार ने लिया जल भराव इलाकों का जायजा

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। बीते रविवार की बरसात ने शहर का जो हाल किया था, कई कॉलोनियों में अब तक उसके निशान हैं। यहां जलभराव का संकट बरकरार है। कॉलोनी के लोग परेशान हैं। शुक्रवार को वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना शहर के लाजपत नगर, त्रिवेणी और केसर वाटिका पहुंचे। जलभराव का जायजा लिया। इस दौरान नगरायुक्त संजीव कुमार मौर्य भी रहे। स्थानीय लोगों ने बताया कि कॉलोनीज में अभी भी करीब डेढ़ फीट तक पानी भरा है। दरअसल, बारिश के बाद बरेली की सभी नदियां उफान पर हैं। किला नदी में भी जलस्तर बढ़ा है। इससे शहर में जलभराव की आशंका बनी है। इससे पहले पिछले रविवार को बारिश के दौरान शहर भयंकर तरीके से जलभराव में घिर गया था। पूरा शहर जलमग्न हो गया था। दो दिन तक हाहाकार मचा रहा। कई जगहों पर पंपसेट लगाकर पानी निकाला गया था। जलभराव के कारण फैलने वाली बीमारियों की रोकथाम के लिए वन मंत्री ने सीएमओ डा. विश्राम सिंह को प्रभावित इलाकों में तुरंत स्वास्थ्य शिविर लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिविर में समुचित दवाईयां रखी जाएं। यह सुनिश्चित किया जाए कि जलभराव के बाद प्रभावित इलाकों में बीमारियां या संक्रमण नहीं फैलने पाए।

नकटिया नदी को मिलेगी नई पहचान, नाथ गंगा के रूप में होगा विकास

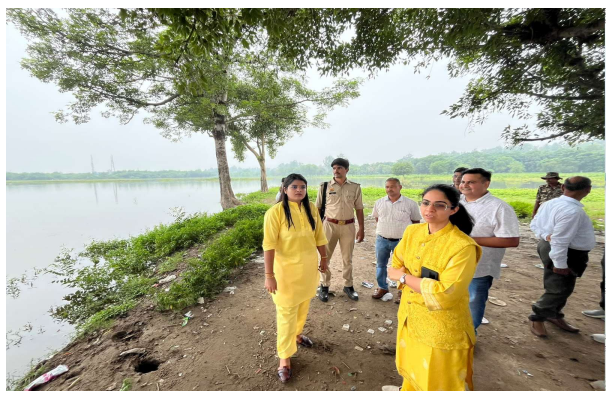

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। शहर की नकटिया नदी के संरक्षण की मुहिम तेज होती जा रही है। कैंटोनमेंट बोर्ड और बीडीए के साझा प्रयास जारी हैं। कैंटोमेंट बोर्ड की सीईओ डॉ. तनु जैन और बीडीए उपाध्यक्ष ने संयुक्त रूप से नदी क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। जलस्रोतों, शैक्षिक संस्थानों और नकटिया नदी के तट का जायजा लिया।

निरीक्षण की शुरुआत 883 बटालियन क्षेत्र से हुई। अधिकारियों ने यहां करीब 20 एकड़ में फैले जलाशय का जायजा लिया गया। जलाशय के संरक्षण, पुनर्जीवन और उसके आसपास पर्यावरणीय विकास की संभावनाओं पर चर्चा की। इसके बाद एक अन्य तालाब-जलस्रोत को भी देखा। टीम ने आरएन टैगोर इंटर कॉलेज पहुंचकर वहां संचालित शैक्षिक एवं नवाचार सुविधाओं का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने एआई, रोबोटिक्स, ड्रोन, एस्ट्रोनॉमी समेत विभिन्न प्रयोगशालाओं की जानकारी ली।विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की पहल को भी देखा गया। टीम ने धोपा क्षेत्र होते हुए नकटिया नदी के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण किया। नकटिया को 'नाथ गंगा' के रूप में विकसित करने की दिशा में जलधारा के संरक्षण के साथ आसपास हरित क्षेत्र विकसित करने पर भी जोर दिया गया।

निर्दोषों के अधिकारों की रक्षा हो: सवर्ण समाज ने उठाई युवाओं के भविष्य और निष्पक्ष जांच की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली- सामान्य वर्ग के अधिकारों, युवाओं के भविष्य और निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर महासभा ने बरेली में एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता आयोजित की। वरिष्ठ राष्ट्रीय महामंत्री राघवेंद्र सिंह राजू ने कहा कि सवर्ण समाज ने सीमा पर बलिदान से लेकर करों के जरिए राष्ट्र निर्माण में सदैव अग्रणी भूमिका निभाई है, लेकिन अब समाज के युवाओं के भविष्य और सम्मान की रक्षा के लिए उनकी आवाज को भी गंभीरता से सुना जाना चाहिए। ?निर्दोषों के अधिकारों की रक्षा- संगठन ने जोर देकर कहा कि किसी भी प्रक्रिया में निर्दोष लोगों के अधिकारों का हनन नहीं होना चाहिए और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाए। पीएम को पत्र और उम्मीद- राघवेंद्र सिंह राजू ने प्रधानमंत्री को लिखे खुले पत्र का जिक्र करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट की रोक और सरकार के पुनर्विचार के रुख से युवाओं में नई उम्मीद जगी है। आगरा में 'सनातन शक्ति सम्मेलन'- महासभा ने 20 सितंबर को आगरा में होने वाले सम्मेलन की घोषणा की, जिसमें रुहेलखंड मंडल सहित प्रदेश भर से भारी संख्या में लोगों के जुटने का दावा किया गया। प्रेस वार्ता में राष्ट्रीय संगठन मंत्री इंजी. भुवनेश्वर सिंह, राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य यशपाल सिंह और जिला अध्यक्ष सर्वेश्वर पाल सिंह जितेंद्र पाल सिंह सहित कई प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे।

फर्जी फर्म बनाकर जीएसटी में करोड़ों का खेल करने वाला शातिर गिरफ्तार, बेटा फरार

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली, आंवला। फर्जी फर्म और कूटरचित बिलों के जरिए सरकार को जीएसटी राजस्व का चूना लगाने वाले मुख्य आरोपी सुभाष गुप्ता को आंवला पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने अपने बेटे व्यक्ति के नाम पर फर्जी फर्म बनाई थी। बिना किसी वास्तविक बिलों के सहारे बड़े पैमाने पर आईटीसी (इनपुट टैक्स क्रेडिट) रहा था। ?राज्य कर अधिकारी (खण्ड-01, बरेली) शेषनाथ के दौरान इन दोनों पिता-पुत्रों की संलिप्तता सामने आई थी। उपनिरीक्षक होराम सिंह और कांस्टेबल शिवराम सिंह की सुभाष गुप्ता (55 वर्ष, निवासी जीएन सिटी, इज्जतनगर) को के पास से एक मोबाइल और पैन कार्ड की फोटोकॉपी बरामद पेश कर दिया है, जबकि उसके फरार बेटे की तलाश जारी है। प्रशांत गुप्ता के साथ मिलकर किसी अन्य माल की खरीद-बिक्री के केवल फर्जी पास ऑन कर अनुचित लाभ उठाया जा रावत की तहरीर पर दर्ज मुकदमे की जांच शुक्रवार को सटीक मुखबिर सूचना पर टीम ने वजीरगंज रोड पर घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। ?तलाशी में आरोपी हुई है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में

विनोद साहनी हत्याकांडः ग्रामीणों ने सड़क पर शव रख लगाया जाम, कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद ने कलेक्ट्रेट घेरा

विनोद साहनी की हत्या के विरोध में समर्थकों संग कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद धरने पर बैठे। आसपास के जिलों से भी निषाद समाज के लोग पहुंचे। ग्रामीणों ने सड़क पर शव रखकर जाम लगाया। आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलाने के साथ पांच करोड़ मुआवजे व परिवार के एक सदस्य को नौकरी की मांग रखी।गोंडा में बर्तन व्यापारी विनोद कुमार साहनी की हत्या के विरोध में शुक्रवार को लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। रेक्सड़िया के मल्हनपुरवा में धरने के बाद परिजन और ग्रामीण चारपाई पर शव रखकर जुलूस की शक्ल में शाहपुर की ओर निकले। पुलिस ने रास्ते में रोकने का प्रयास किया तो करीब आधे घंटे तक रस्साकशी और धक्का-मुक्की की स्थिति बनी रही।

इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने परसपुर-बरगदी मार्ग पर शाहपुर-धनावा के पास बीच सड़क पर शव रखकर जाम लगा दिया। उधर, कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद की अगुवाई में निषाद पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट का घेराव करके धरना दिया।पुलिस-प्रशासन और सरकार के खिलाफ नारेबाजी कीविनोद की हत्या की खबर पाकर आसपास के गांवों और अन्य जिलों से निषाद समाज के सैकड़ों लोग शुक्रवार सुबह मल्हनपुरवा पहुंच गए। ग्रामीणों, युवाओं और महिलाओं ने पुलिस-प्रशासन और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। करीब एक से डेढ़ किलोमीटर आगे बढ़ने पर पुलिस ने अवरोध लगाकर लोगों को रोकने का प्रयास किया। मगर भीड़ अधिक होने के कारण अवरोध प्रभावी नहीं हो सका।प्रदर्शनकारी शाहपुर-धनावा पहुंच गए और सड़क पर शव रखकर जाम लगाकर धरना शुरू कर दिया। सुबह करीब 11ः45 बजे शुरू हुआ धरना दोपहर 02ः15 बजे तक चला। प्रदर्शनकारी मौके पर डीएम और एसपी को बुलाने की मांग पर अड़े रहे। उन्होंने आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलाने, परिवार को पांच करोड़ रुपये मुआवजा देने, एक सदस्य को सरकारी नौकरी और परिवार की सुरक्षा की मांग उठाई। डीएम प्रियंका निरंजन और एसपी मौके पर पहुंचे-सपा के पूर्व मंत्री योगेश प्रताप सिंह, प्रदेश सचिव दिग्विजय सिंह, सपा नेता काजल निषाद और कांग्रेस नेता त्रिलोकी नाथ तिवारी समेत कई लोग मौके पर पहुंचे। करीब 2.00 बजे डीएम प्रियंका निरंजन और एसपी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों और ग्रामीणों से वार्ता कर कार्रवाई का भरोसा दिया। इसके बाद परिजन अंतिम संस्कार के लिए राजी हुए।

इधर, कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ सर्किट हाउस से पैदल कलेक्ट्रेट पहुंचे। करीब एक किलोमीटर पैदल मार्च के बाद कलेक्ट्रेट के मुख्य गेट के सामने बैठकर उन्होंने धरना शुरू कर दिया। करनैलगंज विधायक अजय सिंह भी उनके साथ धरने पर बैठ गए।

कार्यकर्ताओं ने हत्याकांड में दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। डीएम प्रियंका निरंजन भी कैबिनेट मंत्री के साथ जमीन पर बैठीं और उनकी मांगें सुनीं। उन्होंने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिया। आश्वासन के बाद कैबिनेट मंत्री ने दोपहर 12ः55 बजे धरना समाप्त कर दिया।

संजय सिंह बोले- कैबिनेट मंत्री ही न्याय के लिए धरने पर बैठे, आम जनता की सुरक्षा की गारंटी कौन देगा?

आप सांसद संजय सिंह ने गोंडा व्यापारी विनोद साहनी की हत्या को लेकर प्रदेश सरकार की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब कैबिनेट मंत्री को न्याय के लिए धरने पर बैठना पड़े, तो आम जनता की सुरक्षा चिंता का विषय है।

की मांग कीआम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी साहनी की हत्या को लेकर प्रदेश सरकार और कानून-बयान में उन्होंने कहा कि जब प्रदेश सरकार में शामिल खिलाफ न्याय की मांग को लेकर केजीएमयू के की गारंटी कौन देगा। गोंडा के व्यापारी की हत्या का बर्तन व्यापारी और निषाद पार्टी कार्यकर्ता विनोद कुमार के केजीएमयू में इलाज के दौरान मौत हुई। उन्होंने कहा धरने पर बैठना पड़ रहा है। आप सांसद ने सवाल उठाया न्याय की मांग कर रहे हैं, तो थाने और चौकियों के पर लगाए गंभीर आरोप- संजय सिंह ने आरोप लगाया उनके मुताबिक, मृतक के परिजनों ने परसपुर के थानाध्यक्ष और चौकी प्रभारी पर लापरवाही बरतने तथा आरोपियों के खिलाफ समय पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि जब सत्ता के सहयोगी दल के नेता को ही लापरवाह पुलिसकर्मियों पर मुकदमा दर्ज करने, उन्हें निलंबित करने और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरने पर बैठना पड़ रहा है, तो यह सरकार के कानून-व्यवस्था के दावों पर सवाल खड़े करता है।आरोपियों की गिरफ्तारी और पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग- संजय सिंह ने सरकार से मांग की कि विनोद साहनी हत्याकांड के सभी आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार कर कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही, पीड़ित परिवार को परेशान करने के दोषी पाए जाने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर बर्खास्तगी की कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी व्यापारियों और आम नागरिकों के उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाती रहेगी और प्रदेश में बढ़ते अपराध के मुद्दे को लगातार उठाएगी।

मां के साथ आत्महत्या करने पहुंची बेटी: बुजुर्ग की गोद में रखी पेट्रोल की बोतल, आपबीती सुनकर हर आंख नम

पीड़ित महिला ने अपनी भाभी पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि भाभी ने पुश्तैनी मकान पर पूरी तरह से अपना कब्जा जमा लिया है। भाभी ने अपनी बीमार सास (महिला की मां) और ननद को बेदखल कर घर से बाहर निकाल दिया है। उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले में पारिवारिक संपत्ति और मृतक आश्रित कोटे की नौकरी से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आया है। न्याय न मिलने और पारिवारिक कलह से हताश होकर एक महिला अधिकारियों के पास आत्मदाह करने पहुंच गई। पुलिस और प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच और कार्रवाई का आश्वासन दिया है। क्या है पूरा विवाद?- महिला द्वारा अधिकारियों को दिए गए प्रार्थना पत्र के अनुसार, यह पूरा विवाद मृतक आश्रित कोटे की नौकरी और पारिवारिक संपत्ति पर कब्जे को लेकर है। महिला के पिता की मृत्यु के बाद उनके स्थान पर भाई को अनुकंपा (आश्रित कोटे) के आधार पर नौकरी मिली थी। भाई की मृत्यु के बाद शुरू हुआ क्लेश-दुर्भाग्यवश भाई की भी मृत्यु हो गई।

अब भाई के निधन के बाद मिलने वाली सरकारी धनराशि और आश्रित कोटे की अगली नौकरी को लेकर विवाद गहरा गया है। परिवार के अन्य सदस्यों की या तो मृत्यु हो चुकी है या वे लापता हैं। फिलहाल, यह महिला ही अपनी बुजुर्ग और बीमार मां की देखभाल कर रही है।भाभी पर जबरन बेदखल करने और धमकी का आरोप-शिकायतकर्ता महिला ने अपनी भाभी पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि भाभी ने पुश्तैनी मकान पर पूरी तरह से अपना कब्जा जमा लिया है। भाभी ने अपनी बीमार सास (महिला की मां) और ननद को बेदखल कर घर से बाहर निकाल दिया है। महिला का कहना है कि जब भी वह अपनी मां को लेकर घर में रहने या अपना हक मांगने की कोशिश करती है, तो उसे धमकाकर वहां से भगा दिया जाता है।प्रशासन का सख्त रुख- घर से निकाले जाने और मां की बीमारी से टूट चुकी महिला ने जब आत्मदाह की चेतावनी दी, तो प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने महिला से उसका प्रार्थना पत्र लिया और उसे शांत करवाया। पुलिस और प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि मामले की निष्पक्ष और गहन जांच की जाएगी। प्रशासन ने महिला को उसका कानूनी हक दिलाने और मकान पर कब्जा वापस दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का भी आश्वासन दिया है।

बाढ़ का कहर, गंगा और रामगंगा का जलस्तर बढ़ने से कई गांव जलमग्न; हजारों बीघा फसल पानी में डूबी

गंगा का जलस्तर बढ़ने से पचौरी नगला से लसी नगला तक सड़क की दक्षिण दिशा में हजारों बीघा फसल पानी में डूब गई है। गन्ने को छोड़ बाजरा, शकरकंद, धान और तिल की फसलें पानी में रहने से खराब होने की आशंका है। गानइयाई, पांडे नगला, लसी नगला, गढ़िया गंगवार, तेलिया नगला गांवों की फसलों में भी पानी भर गया है।यूपी के बदायूं जिला स्थित कादरचौक क्षेत्र में गंगा का जलस्तर बढ़ने से क्षेत्र के गांव पचौरी नगला में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। गांव के करीब 20 घरों में पानी भर गया है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। ग्रामीण पशुओं सहित पानी में रहने को मजबूर हैं। कई परिवारों ने घर खाली कर पुरानी सड़क के उस पार बने मकानों में शरण ली है। लोगों के आवागमन के लिए नाव की व्यवस्था की गई है।गंगा का जलस्तर बढ़ने से पचौरी नगला से लसी नगला तक सड़क की दक्षिण दिशा में हजारों बीघा फसल पानी में डूब गई है। गन्ने को छोड़ बाजरा, शकरकंद, धान और तिल की फसलें पानी में रहने से खराब होने की आशंका है। गानइयाई, पांडे नगला, लसी नगला, गढ़िया गंगवार, तेलिया नगला गांवों की फसलों में भी पानी भर गया है। उझानी ब्लॉक के सरौता और ननाखेड़ा से कछला-भदरौल रोड पर गंगा का पानी ओवरफ्लो होकर ननाखेड़ा, मुस्करा, भूढ़ा, भदरौल तक भर गया है। सूखी पड़ी भैंसोर नदी में भी पानी का प्रवाह शुरू हो गया है, जिससे नदी पुनर्जीवित जैसी लग रही है। हालांकि शुक्रवार सुबह से जलस्तर में कमी आई है। खंड विकास अधिकारी सर्वज्ञ अग्रवाल ने गांवों का दौरा कर सहायता का आश्वासन दिया है। उन्होंने बताया कि पचौरी नगला के आगे सोत में एक नाव डालकर लोगों को खेतों तक जाने की व्यवस्था की गई है।रामगंगा नदी में जलस्तर स्थिर होने से बाढ़ से घिरे गांवों के हालात जस के तस बने हुए हैं। गढ़िया रंगीन जाने वाले हजरतपुर और नगरिया खनू के मार्गों पर वाहनों का आवागमन शुक्रवार को भी बंद रहा है। नाव और मोटर बोट के सहारे ही लोगों का आना जाना हो रहा है। रास्तों की पुलिया के डूबने से आने जाने वालों का खतरा और बढ़ गया है। बाढ़ से प्रभावित गांवों क्षेत्र में सैकड़ों बीघा फसल डूब गई हैं। गुरुवार की सायं से रामगंगा के जलस्तर में ठहराव बना हुआ है, लेकिन घटना शुरू नहीं हुआ है। देवरनिया, सकतपुर, कटकौरा, देवचरी, जरतौली, मौसमपुर सिमरिया आदि एक दर्जन से अधिक गांव पानी से घिरे हुए हैं। सकतपुर गांव के अंदर घरों तक पानी पहुंच गया है। बांटी गईं राहत सामग्री - कुंडरा मजरा के प्रशासक तपन सिंह ने बताया कि बाढ़ का पानी गांव के करीब आ चुका है, इस ग्राम पंचायत में छह मजरे हैं, बिहारीपुर से आनंदापुर गांव के बीच में बनी पुलिया डूबी हुई चल रही है, जबकि कुंडरा मजरा से कटकोरा मार्ग की पुलिया और शेरपुर गांव के निकट बनी पुलिया का संपर्क मार्ग और करीब डेढ़ मीटर पक्की सड़क बाढ़ से बह चुकी हैं। इन रास्तों से गुजरना काफी खतरनाक है।

संक्षिप्त समाचार

बहन की डोली से पहले उठी इकलौते भाई सिपाही संदीप की अर्थी, छह माह की बच्ची के सिर से उठ गया पिता का साया

अंबेडकरनगर में सिपाही संदीप की मौत ने परिवार की सारी खुशियां उजाड़ दीं। दो बेटियों के बाद इकलौता बेटा मिला था। छह माह की बच्ची के सिर से पिता का साया उठ गया। वहीं अक्टूबर में छोटी बहन की शादी से पहले घर में मातम छा गया।यूपी के अंबेडकरनगर में पुलिस लाइन में तैनात सिपाही संदीप कुमार (30) की मौत की खबर से परिवार की खुशियां मातम में बदल गईं। रामप्यारे के परिवार में दो बेटियों के बाद संदीप इकलौते बेटे थे। करीब ढाई साल पहले उनका विवाह रंजना से हुआ था और छह माह की बेटी है। पत्नी रंजना पहले यहीं पर साथ रहती थीं, लेकिन बेटी का जन्म होने के पहले संदीप ने देखभाल के लिए पत्नी व बेटी को अपने घर पर छोड़ दिया था। इसके बाद से वह मऊ में ही रह रही थीं। संदीप की छोटी बहन की अक्टूबर में शादी तय है। इसकी तैयारियां परिवार ने शुरू कर दी हैं। पत्नी व बेटी से मिलने और बहन की शादी की तैयारियों के लिए संदीप अपने घर भी गए थे। शुक्रवार सुबह संदीप की मौत की खबर मिलते ही शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। पत्नी, मां और बहनों समेत पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।भाई के हाथों विदा होने का सपना रह गया अधूरा-संदीप क घर में होने वाली शादी को लेकर परिवार उत्साहित था, लेकिन संदीप की मौत से सारी खुशियां गम में बदल गईं। जिस भाई को बहन की शादी में जिम्मेदारियां निभानी थीं, अब उसी की मौत ने पूरे परिवार को तोड़ दिया। बहन का भाई के हाथों विदा होने का सपना भी अधूरा रह गया।मोबाइल लॉक, जांच के बाद खुलेगा राज- इंस्पेक्टर संतोष कुमार सिंह ने बताया कि संदीप का मोबाइल फोन लॉक मिला है। पुलिस मोबाइल को खुलवाकर उसकी जांच करेगी। इसके जरिये यह पता लगाने का प्रयास किया जाएगा कि घटना से पहले उन्होंने किससे बातचीत की थी और उनके संपर्क में कौन लोग थे। पुलिस अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

डेंगू से पिता की अंतिम सांस और बेटे के जन्म की पहली किलकारी, एक ही दिन हुआ ऐसा संयोग

डेंगू से पिता ने जिस दिन अंतिम सांस ली। उसी दिन घर में बेटे के जन्म की पहली किलकारी गूंजी। आगागंज बाजार के परिवार में एक ही दिन खुशी और गम ने दस्तक दी। अयोध्या के तारुन क्षेत्र में आगागंज बाजार के व्यवसायी के युवा मनीष कसौधन का बृहस्पतिवार को डेंगू से निधन हो गया। उसी दिन उनके घर में पुत्र का जन्म हुआ। इससे परिवार में शोक और खुशी का अजब संयोग देखने को मिला। बताया गया कि मनीष कसौधन सूरत में रहते थे। आगागंज बाजार स्थित श्रीराम जानकी मंदिर के उपाध्यक्ष भी थे। करीब एक सप्ताह पहले उन्हें तेज बुखार आया था। सूरत के एक निजी अस्पताल में जांच के बाद डेंगू की पुष्टि हुई। बृहस्पतिवार को इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। शुक्रवार को सूरत में ही गमगीन माहौल में मनीष का अंतिम संस्कार किया गया। उनको पहले से दो बेटियां जया (10) और जान्हवी (08) हैं। जिस दिन पिता ने अंतिम सांस ली, उसी दिन उनके घर पुत्र का जन्म हुआ। घर में एक तरफ मौत का मातम पसरा है, तो दूसरी तरफ नवजात के आने की चर्चा है।

बाइक पर अचानक गिरा बिजली का तार, धू-धूकर जली, बंदरों के कारण शॉर्ट सर्किट से तार टूटने की आशंका

बंदरों के कारण शॉर्ट सर्किट होने से तार टूट कर बाइक के ऊपर गिर गया। जिससे बाइक में आग लग गई। गनीमत रही कि घटना के समय बाइक के पास कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया।हाथरस शहर से सटे ढकपुरा रोड पर शुक्रवार सुबह अचानक बिजली का तार टूटकर नीचे खड़ी बाइक पर गिर गया। तार के गिरते ही उसमें आग लग गई और देखते ही देखते बाइक धू-धूकर जलने लगी। गनीमत रही कि घटना के समय बाइक के पास कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, रिहायशी क्षेत्र में अचानक हुई इस घटना से आसपास के लोगों में रोष है। लोगों ने बिजली व्यवस्था को लेकर चिंता जताई। जानकारी मिलने के बाद बिजली निगम ने मामले की जांच शुरू कर दी। अधीक्षण अभियंता विद्युत अजीत कुमार सिंह ने बताया कि प्रथमदृष्टया बंदरों के कारण शॉर्ट सर्किट होने से तार टूटने की आशंका है।

आगामी त्यौहार को लेकर जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा विभूति नाथ मंदिर का किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार यादव/ जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी द्वारा आगामी त्यौहार कजरी तीज एवं कावड़ यात्रा को सा कुशल शांति एवं सौहार्द ढंग से संपन्न करने के उद्देश्य से संयुक्त रूप से थाना सिरसिया क्षेत्र अंतर्गत स्थित बाबा विभूति नाथ मंदिर परिसर का भ्रमण किया गया इस अवसर पर अधिकारी एवं कर्मचारियों को सुरक्षा व्यवस्था भीड़ प्रबंधन यातायात नियंत्रण महिला सुरक्षा एवं संवेदनशील बिन्दुओ पर विशेष सतर्कता बरतने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए साथ ही पैदल ग्रस्त ड्रोन निगरानी एवं सीसीटीवी कैमरा की सक्रियता बनाए रखने पर भी बल दिया गया तत्पश्चात जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग एवं पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी द्वारा मेले में आने जाने वाले मार्गो पार्किंग स्थलों दुकान पंडाल क्षेत्र में श्रद्धालुओं की आवाजाही वाले मुख्य मार्ग का स्थलीय निरीक्षण कर मंदिर प्रबंधन महंत एवं स्थानीय जिम्मेदार व्यक्तियों के साथ संवाद स्थापित कर उन्हें शांति व्यवस्था साफ-सफाई श्रद्धालुओं की सुविधा आम समस्याओं से प्रशासन को पूर्ण सहयोग प्रदान करने हेतु निर्देशित किया गया इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी श्री शाहिद अहमद अपर पुलिस अधीक्षक श्री चंद्रकेश सिंह क्षेत्राधिकार भिनगा श्री भरत पासवान सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी गण मौजूद रहे प्रशासन एवं पुलिस का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है की त्यौहार कजरी तीज एवं कांवड़ यात्रा का आयोजन श्रद्धालुओं की आस्था सुरक्षा एवं जन सुविधा को ध्यान में रखते वैसा कुशल संपन्न कराया जाए

जिला भूमि एवं जल संरक्षण समिति एवं आत्मा गवर्निंग बोर्ड की बैठक सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच / जिलाधिकारी के निर्देशानुसार अपर जिलाधिकारी प्रशासन अरुण कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में जिला भूमि एवं जल संरक्षण समिति, जिला मिशन समिति व प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत डब्ल्यू0सी0डी0सी0 की बैठक सम्पन्न हुई।

डॉ. नरेन्द्र प्रताप, सचिव डब्ल्यू0सी0डी0सी0/परियोजना प्रबंधक/भूमि संरक्षण अधिकारी द्वारा बैठक का संचालन करते हुए प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-2.0 के अंतर्गत वाटरशेड समिति द्वारा विभिन्न मदों में पूर्ण किए गए कार्यों की जानकारी समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई। उन्होंने डीपीआर के अनुरूप परियोजना क्षेत्रों में प्रस्तावित विकास कार्यों के संबंध में भी विस्तार से अवगत कराया।

बताया गया कि योजना भारत सरकार के भूमि संसाधन विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा संचालित की जा रही है तथा कृषि विभाग/भूमि संरक्षण अधिकारी को परियोजना क्रियान्वयन विभाग/कार्यदायी संस्था नामित किया गया है।

बैठक में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत वर्षा जल संचयन हेतु खेत तालाब निर्माण, पं. दीनदयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना एवं आरएडी के कार्यों पर भी चर्चा की गई। विचार-विमर्श के उपरांत वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रस्तावित परियोजनाओं का समिति द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जिला भूमि एवं जल संरक्षण समिति की उपाध्यक्ष/मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला ने खेत तालाब योजना के अंतर्गत समस्त विकासखंडों को संतृप्त करने तथा आरएडी योजना के अंतर्गत समूह की महिलाओं का चयन करने के निर्देश दिए।

इसके साथ ही उप कृषि निदेशक कार्यालय द्वारा संचालित नेशनल मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन एंड टेक्नोलॉजी योजना (आत्मा) के अंतर्गत गवर्निंग बोर्ड की बैठक भी अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन, प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन फॉर इन-सीटू मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप रेजड्यू, सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन, मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम, नेचुरल फार्मिंग एवं नेशनल मिशन ऑन एडिबिल ऑयल (ऑयलसीड) योजनाओं के अंतर्गत गत वर्ष किए गए कार्यों की समीक्षा की गई तथा वर्तमान वर्ष के लक्ष्यों के सापेक्ष कार्यों की रणनीति पर चर्चा की गई।

अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) ने सभी निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने तथा कृषकों को देय अनुदान निर्धारित समयावधि में उनके खातों में स्थानांतरित करने के निर्देश दिए। साथ ही सहयोगी विभागों को आत्मा योजना के अंतर्गत आवंटित लक्ष्यों को भी समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख उझानी, उप कृषि निदेशक, उपायुक्त स्वत: रोजगार, मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, जिला कृषि रक्षा अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, जिला गन्ना अधिकारी, प्रभारी अधिकारी कृषि विज्ञान केन्द्र, अधिशासी अभियंता नलकूप, सहायक अभियंता लघु सिंचाई, सहायक निदेशक मत्स्य, नामित सदस्य जिला भूमि एवं जल संरक्षण समिति राजपाल सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत अधिकारियों ने किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ अपर कलेक्टर व जिंप सीईओ ने सुनखेर ग्राम पहुंचकर आंगंबाड़ी, उचित मूल्य दुकान व स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत अपर कलेक्टर श्रीमती मीना मसराम एवं जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया ने लटेरी तहसील के ग्राम पंचायत सुनखेर में विभिन्न शासकीय संस्थाओं का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने आंगनवाड़ी केंद्र पहुंचकर व्यवस्थाओं, बच्चों की उपस्थिति और उन्हें मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका से संवाद किया। इस दौरान गांव के बच्चे शिवाय कौरव का वजन एवं लंबाई मापी गई।

अधिकारियों ने बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यानगत रखते हुए निर्देश दिए कि आंगनवाड़ी में दर्ज सभी बच्चों का नियमित रूप से वजन एवं लंबाई मापना सुनिश्चित करें।

इस दौरान जिला पंचायत सीईओ ने गांव के दिव्यांग आवेदक श्री हुकुमसिंह का दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनवाने के निर्देश संबंधित विभाग को दिए। इसके बाद अधिकारियों ने शासकीय उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण कर खाद्यान्न वितरण व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आनंदपुर का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं, व्यवस्थाओं और मरीजों को उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत अधिकारियों ने किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ अपर कलेक्टर व जिंप सीईओ ने सुनखेर ग्राम पहुंचकर आंगंबाड़ी, उचित मूल्य दुकान व स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत अपर कलेक्टर श्रीमती मीना मसराम एवं जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया ने लटेरी तहसील के ग्राम पंचायत सुनखेर में विभिन्न शासकीय संस्थाओं का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने आंगनवाड़ी केंद्र पहुंचकर व्यवस्थाओं, बच्चों की उपस्थिति और उन्हें मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका से संवाद किया। इस दौरान गांव के बच्चे शिवाय कौरव का वजन एवं लंबाई मापी गई। अधिकारियों ने बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यानगत रखते हुए निर्देश दिए कि आंगनवाड़ी में दर्ज सभी बच्चों का नियमित रूप से वजन एवं लंबाई मापना सुनिश्चित करें।

इस दौरान जिला पंचायत सीईओ ने गांव के दिव्यांग आवेदक श्री हुकुमसिंह का दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनवाने के निर्देश संबंधित विभाग को दिए। इसके बाद अधिकारियों ने शासकीय उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण कर खाद्यान्न वितरण व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आनंदपुर का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं, व्यवस्थाओं और मरीजों को उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली।

पटवारियों की समीक्षा बैठक में एसडीएम ने दिए सख्त निर्देश

लंबित राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा में करें निराकरण, सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के लिए 3 दिन का लक्ष्य

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे) शिवपुरी। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देशन में शुक्रवार को बैराड़ तहसील सभागार में एसडीएम पोहरी श्री जेपी गुप्ता ने समस्त पटवारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में तहसीलदार बैराड़ श्री द्रगपाल सिंह बैश भी मौजूद रहे।बैठक में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, भूमि आवंटन, लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत लंबित प्रकरण, फार्मर रजिस्ट्री, पीएम किसान सम्मान निधि तथा राहत राशि से जुड़े मामलों की समीक्षा की गई। एसडीएम ने सभी पटवारियों को निर्देश दिए कि आमजन से संबंधित राजस्व प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। सीएम हेल्पलाइन शिकायतों पर विशेष जोर- एसडीएम श्री गुप्ता ने एल-3 स्तर एवं 100 दिवस से अधिक समय से लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित पटवारियों को आगामी तीन दिवस में शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने का लक्ष्य दिया। लापरवाही पर सख्त चेतावनी- एसडीएम ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राजस्व कार्यों में अनावश्यक विलंब अथवा किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों-कर्मचारियों को आमजन की समस्याओं का पारदर्शी एवं त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए, ताकि नागरिकों को शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ समय पर मिल सके।

कृषि कार्यालय, मृदा लैब और खाद गोदाम का औचक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे) शिवपुरी/ कोलारस। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देश पर उप संचालक कृषि श्री मुनेश कुमार शाक्य ने शुक्रवार को कोलारस विकासखंड के कृषि कार्यालय, मृदा लैब एवं खाद भंडारण केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय में दो कर्मचारी बिना सूचना के अनुपस्थित मिले। इस पर दोनों कर्मचारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए। उप संचालक ने कार्यालयीन व्यवस्थाओं एवं कार्यों की भी जानकारी ली

तथा कर्मचारियों को जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। खाद का किया भौतिक सत्यापन- खाद भंडारण केंद्र कोलारस में उर्वरकों की उपलब्धता का भौतिक सत्यापन किया गया। निरीक्षण के दौरान केंद्र में 30 मीट्रिक टन यूरिया, 46 मीट्रिक टन डीएपी, 109 मीट्रिक टन एनपीके, 15 मीट्रिक टन एसएसपी तथा 6 मीट्रिक टन एमओपी उपलब्ध पाया गया। उप संचालक ने गोदाम प्रबंधक को सभी रिकॉर्ड व्यवस्थित रखने के साथ कार्यालय एवं परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। किसानों से फार्मर आईडी से खसरा जोड़ने की अपील- निरीक्षण के दौरान उप संचालक कृषि ने कोलारस क्षेत्र में फसलों की वर्तमान स्थिति का भी जायजा लिया। उन्होंने जिले के किसानों से अपनी कृषि भूमि के सभी खसरा नंबरों को फार्मर आईडी से अनिवार्य रूप से लिंक कराने की अपील की। उन्होंने बताया कि इससे भविष्य में उर्वरक उठाव के दौरान किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

30 हजार रुपये का इनामी बदमाश प्रभात रावत गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। थाना कोतवाली पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे 30 हजार रुपये के इनामी बदमाश प्रभात रावत को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी को आवश्यक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस के अनुसार, 27 अप्रैल 2026 को सिंहनिवास निवासी जयसिंह रावत ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि आरोपियों ने एकराय होकर उसके साथ गाली-गलौज करते हुए लोहांगी, सरिया और डंडों से मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। आरोपियों द्वारा 315 बोर की बंदूक एवं पिस्टल से जान से मारने की नीयत से फायर करने का भी आरोप लगाया गया था। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 326/26 दर्ज कर विवेचना शुरू की गई थी। मामले में पुलिस पूर्व में 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी थी, जबकि आरोपी प्रभात रावत पुत्र करन सिंह रावत उम्र 34 वर्ष निवासी सिंहनिवास फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर द्वारा 24 अगस्त 2026 को 30 हजार रुपये के इनाम की घोषणा की गई थी। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देश पर फरार आरोपी की तलाश के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री रामदास प्रजापति एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री सचिन कुमार धुर्वे के मार्गदर्शन में कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक रोहित दुबे ने पुलिस टीम गठित की। टीम द्वारा लगातार आरोपी की तलाश की जा रही थी। इसी दौरान 7 सितंबर को कोतवाली पुलिस ने प्रभात रावत को शिवपुरी रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया। 15 अपराध दर्ज, जिला बदर और ह्द्द की कार्रवाई भी- पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति का है। उसके खिलाफ पूर्व से लूट, हत्या के प्रयास, अड़ीबाजी, मारपीट, बलवा एवं आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में कुल 15 अपराध दर्ज हैं। आरोपी के खिलाफ पूर्व में जिला बदर एवं एनएसए की कार्रवाई भी की जा चुकी है। पुलिस टीम की रही सराहनीय भूमिका- कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक रोहित दुबे, उपनिरीक्षक आदित्य प्रताप सिंह राजावत, सुमित शर्मा, विवेक भट्ट, अरविंद छारी सहित प्रधान आरक्षक गजेन्द्र परिहार, विनय सिंह, अवतार सिंह, आरक्षक राहुल कुमार, देवेन्द्र रावत, कुलदीप चतुर्वेदी, रनवीर शर्मा, राहुल रजक, सुमित सेंगर, महिला आरक्षक सीतू सिंह एवं आरक्षक चालक शरद यादव की विशेष भूमिका रही।

संक्षिप्त समाचार

आगामी त्यौहार कजरी तीज/कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा पांडव कालीन बाबा विभूति नाथ मंदिर का किया गया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / जिलाधिकारी श्रीमती अन्नपूर्णा गर्ग एवं पुलिस अधीक्षक श्री राहुल भाटी द्वारा आगामी त्योहार कजरी तीज एवं कांवड़ यात्रा को सकुशल, शांति एवं सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से संयुक्त रूप से थाना सिरसिया क्षेत्र अंतर्गत स्थित बाबा विभूति नाथ मंदिर परिसर का भ्रमण किया गया।

इस अवसर पर अधिकारियों व कर्मचारियों को सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण, महिला सुरक्षा तथा संवेदनशील बिंदुओं पर विशेष सतर्कता बरतने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही पैदल गश्त, ड्रोन निगरानी तथा सीसीटीवी कैमरों की सक्रियता बनाए रखने पर भी बल दिया गया। तत्पश्चात जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा मेले में आने-जाने वाले मार्गों, पार्किंग स्थलों, दुकान/पंडाल क्षेत्रों एवं श्रद्धालुओं की आवाजाही वाले मुख्य मार्गों का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा तैयारियों का गहनता से अवलोकन किया गया। मंदिर प्रबंधक, महंत एवं स्थानीय जिम्मेदार व्यक्तियों के साथ संवाद स्थापित कर उन्हें शांति-व्यवस्था, साफ-सफाई, श्रद्धालुओं की सुविधा आदि व्यवस्थाओ में प्रशासन को पूर्ण सहयोग प्रदान करने हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी श्री शाहिद अहमद, अपर पुलिस अधीक्षक श्री चंद्रकेश सिंह, क्षेत्राधिकारी भिनगा श्री भरत पासवान सहित अन्य अधिकारी कर्मचारीगण मौजूद रहे। प्रशासन एवं पुलिस का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि त्योहार कजरी तीज एवं कांवड़ यात्रा का आयोजन श्रद्धालुओं की आस्था, सुरक्षा एवं जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए सकुशल संपन्न हो।

नटेरन में गैस सिलेंडर की किल्लत, तीन-तीन दिन इंतजार के बाद मिल रही टंकियां

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ नटेरन। क्षेत्र में रसोई गैस सिलेंडरों की आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित होने से उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि गैस सिलेंडर के लिए उन्हें तीन-तीन दिन तक इंतजार करना पड़ रहा है। समय पर गैस नहीं मिलने के कारण घरों में खाना बनाने तक की समस्या खड़ी हो रही है। ग्रामीणों के अनुसार गैस एजेंसी पर सिलेंडर लेने के लिए उपभोक्ताओं की भीड़ बढ़ रही है, लेकिन पर्याप्त आपूर्ति नहीं होने के कारण उन्हें बार-बार चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से मामले की जांच कर गैस की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित कराने की मांग की है। मामले को लेकर तहसीलदार फ्यूजन ने कहा कि मैं इसको दिखवाता हूं और गैस आपूर्ति की स्थिति की जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। वहीं मामले में फूड इंस्पेक्टर का पक्ष जानने के लिए फोन किया गया, लेकिन उनके द्वारा फोन रिसीव नहीं किया गया। इससे विभागीय स्तर पर मामले की निगरानी को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि गैस जैसी आवश्यक वस्तु के लिए यदि तीन-तीन दिन इंतजार करना पड़े तो इसका सीधा असर आम परिवारों पर पड़ता है। उपभोक्ताओं ने प्रशासन से गैस की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था की जांच कर तत्काल सुधार कराने की मांग की है।

Could persistent fatigue and lethargy be a sign of thyroid disease? Be alert.

Many signs of thyroid disease mimic stress and general fatigue. It's important to look for patterns in persistent fatigue, weight gain, feeling cold, constipation, changes in hair and skin, restlessness, or a rapid heartbeat. If several symptoms occur simultaneously and persist for a long time, consult a doctor for a thyroid test. Do you also experience fatigue upon waking, lack of interest in work, and weight gain? People often attribute these problems to stress, lack of sleep, or a poor daily routine. This is true sometimes, but if these symptoms recur, be wary. Could this be a sign of a thyroid hormone imbalance? The thyroid is a small gland in the front of the neck that affects the body's energy and many other processes. Underproduction of these hormones can lead to hypothyroidism, and overproduction can lead to hyperthyroidism. Let's explore the signs of thyroid disease that often confuse people. Persistent fatigue and lethargy: If you feel heavy and tired even after a full night's sleep, don't ignore it, thinking it's just stress. Fatigue and lethargy can be common in hypothyroidism. If fatigue is accompanied by problems like weight gain, feeling cold, constipation, dry skin, or hair loss, talk to your doctor about thyroid testing. Unexplained weight gain or loss: If weight is steadily increasing without major dietary changes, thyroid problems could be a contributing factor. Weight gain can occur in hypothyroidism. Hypothyroidism causes fewer thyroid hormones to be produced, slowing the body's metabolism. This causes the body to burn fewer calories, leading to weight gain. Irritability and restlessness: Feeling constantly stressed or irritable can also sometimes be linked to thyroid problems. Especially when the thyroid is overactive, it can cause restlessness, hand tremors, rapid heartbeat, and sleep problems. However, irritability or poor sleep alone doesn't necessarily mean thyroid problems. Other symptoms also need to be considered. Hair loss, thinning hair, dry skin, and constipation can be symptoms of hypothyroidism. But these problems can also have other causes. If fatigue, weight gain, and feeling cold are also occurring for a long time, then get your thyroid checked by a doctor. Doctors say that if these symptoms persist for several weeks and are affecting daily activities, then consult a doctor. If there is swelling or lump in the neck, difficulty in swallowing, difficulty in breathing, or irregular heartbeat, then do not delay the test.

General tickets are now booked through this app, not UTS; discounts are also available.

Few people know that the UTS app, which previously allowed online booking of general bogie tickets, has now been discontinued. If you want to book general tickets online, you'll need to do so through the RailOne app, which everyone should understand. The Indian Railways' general ticket booking system for unreserved and local trains has undergone a major transformation. The Railways recently replaced the old UTS app with a new, modern app called "RailOne." With this app, passengers can book general, platform, and season tickets from their mobile phones in seconds, without having to wait in long lines at the station. This new all-in-one app not only makes booking tickets easier but also offers passengers special discounts. Let's explore this in this article. General ticket booking through the RailOne app is easily downloadable from the Google Play Store or Apple App Store. You can sign in directly to this app using your old IRCTC login credentials. The app features a "paperless ticket" without a printout, eliminating the need to print it at the station after booking. With GPS location, you can book your unreserved (general) ticket in just a few clicks as soon as you arrive at the station premises. 3% discount on payments using R-Wallet: Indian Railways is offering a direct 3% discount on ticket fares for payments made using the new app. The funds stored in the R-Wallet from the old UTS app can be easily transferred to the new RailOne app by registering with the same mobile number. The R-Wallet can be instantly recharged using UPI, debit, or credit cards, eliminating the risk of payment failure. This 3% savings on every general or platform ticket booking proves to be very beneficial for daily commuters. All railway facilities available in a single app Not only unreserved but also reserved train tickets through IRCTC can be booked on RailOne app. During the journey, live running status of the train, platform number and PNR status can also be tracked at one place. Easy and secure way for ticket booking For security reasons, biometric and mPIN login facility has been provided in this app. Open the app, go to 'Book Ticket', select 'Unreserved Ticket' option and enter the name of your departure and destination station. On making the payment through R-Wallet, your 3% discount will be applied and the digital ticket will be displayed on your screen instantly. At the time of ticket checking, you can show the valid ticket to the TTE by using the 'Show Ticket' option on your phone even without internet.

When does fatty liver become a serious disease? A little carelessness can increase the risk of cirrhosis.

Fatty liver is often asymptomatic in its early stages. In some people, inflammation and damage to the liver can progress to fibrosis and cirrhosis. If you are obese, have insulin resistance, or diabetes, be alert. Fatty liver is a rapidly increasing disease, even among younger people. The problem of increased liver fat can have many adverse effects on the body. Lifestyle and dietary disorders significantly increase the risk of this disease. Many people with fatty liver do not show any significant symptoms in the early stages. However, if this problem is not identified early or is not treated, it can cause serious liver damage. In some people, it can trigger inflammation and cell damage along with fat accumulation in the liver. In the long run, it can lead to fibrosis, scarring of the liver, and even cirrhosis. Fatty liver is often considered a silent disease. In the early stages, it does not cause any significant problems. Some people may experience fatigue or pain in the upper right abdomen. Let's explore how this condition can lead to serious complications. Fatty liver disease is a common condition. Fatty liver can remain stable for many people for a long time. However, in some individuals, the fat can cause inflammation and cell damage in the liver. This condition can progress to scarring, or fibrosis, over time. If scarring becomes severe, it can lead to cirrhosis. In cirrhosis, scar tissue begins to replace healthy liver tissue, making it difficult for the liver to function normally. However, it's not necessary that everyone with a fatty liver will experience these complications. Who is at risk for serious complications from fatty liver? Obesity and excess fat around the abdomen are the main causes of fatty liver. This condition is also more common in people with insulin resistance and type 2 diabetes. If you have diabetes or obesity along with fatty liver, you need to be more careful. Alcohol consumption can also affect the risk of liver disease. What are the signs of the severity of fatty liver? Fatty liver often has no symptoms in the early stages. Some people may experience fatigue or discomfort in the right upper abdomen. This is why it's difficult to assess the severity of fatty liver based on symptoms alone. If liver disease progresses and increases the risk of cirrhosis, it can often cause fatigue and weakness, loss of appetite, unintentional weight loss, and persistent pain in the right upper abdomen. What do doctors say? Doctors say that liver problems should never be ignored. If abdominal pain is accompanied by yellowing of the eyes or swelling due to fluid retention in the abdomen, this should be taken seriously. Changes in memory, behavior, or sleep patterns can also be signs of serious liver disease. Vomiting blood or black stools can be a sign of internal bleeding, which is considered an emergency. If a fatty liver is detected in the report, consult a doctor immediately and begin treatment. Early attention can prevent complications.

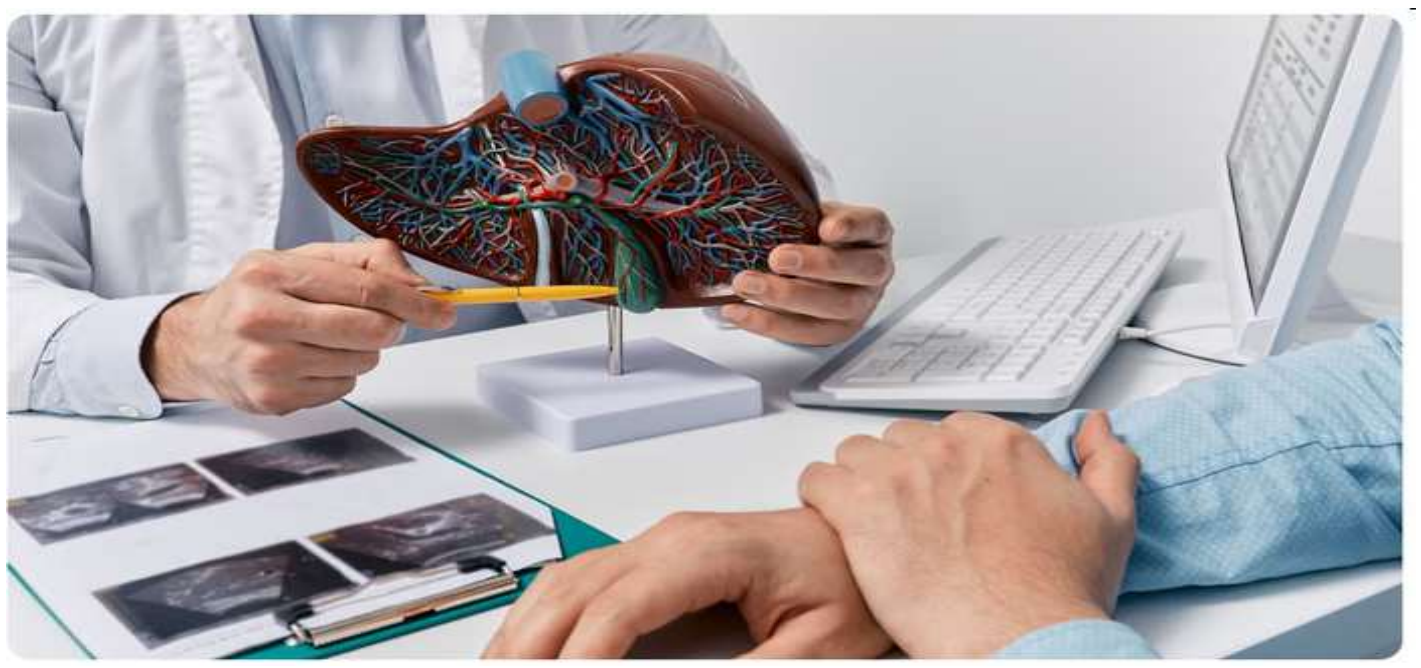

Could persistent fatigue and lethargy be a sign of thyroid disease? Be alert.

Many signs of thyroid disease mimic stress and general fatigue. It's important to look for patterns in persistent fatigue, weight gain, feeling cold, constipation, changes in hair and skin, restlessness, or a rapid heartbeat. If several symptoms occur simultaneously and persist for a long time, consult a doctor for a thyroid test. Do you also experience fatigue upon waking, lack of interest in work, and weight gain? People often attribute these problems to stress, lack of sleep, or a poor daily routine. This is true sometimes, but if these symptoms recur, be wary. Could this be a sign of a thyroid hormone imbalance? The thyroid is a small gland in the front of the neck that affects the body's energy and many other processes. Underproduction of these hormones can lead to hypothyroidism, and overproduction can lead to hyperthyroidism. Let's explore the signs of thyroid disease that often confuse people. Persistent fatigue and lethargy: If you feel heavy and tired even after a full night's sleep, don't ignore it, thinking it's just stress. Fatigue and lethargy can be common in hypothyroidism. If fatigue is accompanied by problems like weight gain, feeling cold, constipation, dry skin, or hair loss, talk to your doctor about thyroid testing. Unexplained weight gain or loss: If weight is steadily increasing without major dietary changes, thyroid problems could be a contributing factor. Weight gain can occur in hypothyroidism. Hypothyroidism causes fewer thyroid hormones to be produced, slowing the body's metabolism. This causes the body to burn fewer calories, leading to weight gain. Irritability and restlessness: Feeling constantly stressed or irritable can also sometimes be linked to thyroid problems. Especially when the thyroid is overactive, it can cause restlessness, hand tremors, rapid heartbeat, and sleep problems. However, irritability or poor sleep alone doesn't necessarily mean thyroid problems. Other symptoms also need to be considered. Hair loss, thinning hair, dry skin, and constipation can be symptoms of hypothyroidism. But these problems can also have other causes. If fatigue, weight gain, and feeling cold are also occurring for a long time, then get your thyroid checked by a doctor. Doctors say that if these symptoms persist for several weeks and are affecting daily activities, then consult a doctor. If there is swelling or lump in the neck, difficulty in swallowing, difficulty in breathing, or irregular heartbeat, then do not delay the test.

General tickets are now booked through this app, not UTS; discounts are also available.

Few people know that the UTS app, which previously allowed online booking of general bogie tickets, has now been discontinued. If you want to book general tickets online, you'll need to do so through the RailOne app, which everyone should understand. The Indian Railways' general ticket booking system for unreserved and local trains has undergone a major transformation. The Railways recently replaced the old UTS app with a new, modern app called "RailOne." With this app, passengers can book general, platform, and season tickets from their mobile phones in seconds, without having to wait in long lines at the station. This new all-in-one app not only makes booking tickets easier but also offers passengers special discounts. Let's explore this in this article. General ticket booking through the RailOne app is easily downloadable from the Google Play Store or Apple App Store. You can sign in directly to this app using your old IRCTC login credentials. The app features a "paperless ticket" without a printout, eliminating the need to print it at the station after booking. With GPS location, you can book your unreserved (general) ticket in just a few clicks as soon as you arrive at the station premises. 3% discount on payments using R-Wallet: Indian Railways is offering a direct 3% discount on ticket fares for payments made using the new app. The funds stored in the R-Wallet from the old UTS app can be easily transferred to the new RailOne app by registering with the same mobile number. The R-Wallet can be instantly recharged using UPI, debit, or credit cards, eliminating the risk of payment failure. This 3% savings on every general or platform ticket booking proves to be very beneficial for daily commuters. All railway facilities available in a single app Not only unreserved but also reserved train tickets through IRCTC can be booked on RailOne app. During the journey, live running status of the train, platform number and PNR status can also be tracked at one place. Easy and secure way for ticket booking For security reasons, biometric and mPIN login facility has been provided in this app. Open the app, go to 'Book Ticket', select 'Unreserved Ticket' option and enter the name of your departure and destination station. On making the payment through R-Wallet, your 3% discount will be applied and the digital ticket will be displayed on your screen instantly. At the time of ticket checking, you can show the valid ticket to the TTE by using the 'Show Ticket' option on your phone even without internet.

When does fatty liver become a serious disease? A little carelessness can increase the risk of cirrhosis.

Fatty liver is often asymptomatic in its early stages. In some people, inflammation and damage to the liver can progress to fibrosis and cirrhosis. If you are obese, have insulin resistance, or diabetes, be alert. Fatty liver is a rapidly increasing disease, even among younger people. The problem of increased liver fat can have many adverse effects on the body. Lifestyle and dietary disorders significantly increase the risk of this disease. Many people with fatty liver do not show any significant symptoms in the early stages. However, if this problem is not identified early or is not treated, it can cause serious liver damage. In some people, it can trigger inflammation and cell damage along with fat accumulation in the liver. In the long run, it can lead to fibrosis, scarring of the liver, and even cirrhosis. Fatty liver is often considered a silent disease. In the early stages, it does not cause any significant problems. Some people may experience fatigue or pain in the upper right abdomen. Let's explore how this condition can lead to serious complications. Fatty liver disease is a common condition. Fatty liver can remain stable for many people for a long time. However, in some individuals, the fat can cause inflammation and cell damage in the liver. This condition can progress to scarring, or fibrosis, over time. If scarring becomes severe, it can lead to cirrhosis. In cirrhosis, scar tissue begins to replace healthy liver tissue, making it difficult for the liver to function normally. However, it's not necessary that everyone with a fatty liver will experience these complications. Who is at risk for serious complications from fatty liver? Obesity and excess fat around the abdomen are the main causes of fatty liver. This condition is also more common in people with insulin resistance and type 2 diabetes. If you have diabetes or obesity along with fatty liver, you need to be more careful. Alcohol consumption can also affect the risk of liver disease. What are the signs of the severity of fatty liver? Fatty liver often has no symptoms in the early stages. Some people may experience fatigue or discomfort in the right upper abdomen. This is why it's difficult to assess the severity of fatty liver based on symptoms alone. If liver disease progresses and increases the risk of cirrhosis, it can often cause fatigue and weakness, loss of appetite, unintentional weight loss, and persistent pain in the right upper abdomen. What do doctors say? Doctors say that liver problems should never be ignored. If abdominal pain is accompanied by yellowing of the eyes or swelling due to fluid retention in the abdomen, this should be taken seriously. Changes in memory, behavior, or sleep patterns can also be signs of serious liver disease. Vomiting blood or black stools can be a sign of internal bleeding, which is considered an emergency. If a fatty liver is detected in the report, consult a doctor immediately and begin treatment. Early attention can prevent complications.